हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 343 | बेमेतरा, बुधवार 30 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

पहला कॉलम

बिहार में डॉग बाबू नाम के कुत्ते ने बनवा लिया आवासीय प्रमाण पत्र, जांच शुरू

पटना। बिहार की राजधानी पटना में एक कुत्ते के नाम से आवासीय प्रमाणपत्र जारी हुआ है, जिससे हड़कंप मच गया है। मसौढ़ी अंचल में डॉग बाबू नाम से प्रमाणपत्र जारी हुआ है, जिसमें पिता का नाम कुत्ता बाबू और मां का नाम कुतिया देवी लिखा है। प्रमाणपत्र में फोटो के स्थान पर कुत्ते की तस्वीर लगी हुई है। प्रमाणपत्र 24 जुलाई को जारी किया गया है। मामले को लेकर सरकार की गंभीरता पर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर जब सरकार और प्रशासन की किरकिरी होने लगी तो पटना जिला प्रशासन ने इसका जवाब दिया है। एक्स पर लिखा, मसौढ़ी अंचल में डॉग बाबू के नाम से निवास प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया है। आवेदक, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले पदाधिकारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। अनुमंडल पदाधिकारी, मसौढ़ी को विस्तृत जांच कर 24 घंटे में रिपोर्ट सौंपने को कहा है। दोषी कर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी।

बाराबंकी के अवसानेश्वर मंदिर में बिजली का करंट फैलने से भगदड़, 2 की मौत

बाराबंकी। उत्तराखंड में मनसा देवी मंदिर में हुए हादसे के बाद उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में भी बिजली का करंट फैलने से भगदड़ मच गई। हादसे में 2 श्रद्धालुओं की मौत हुई है। घटना अवसानेश्वर मंदिर में तड़के 3 बजे घटी है। मृतकों में 22 और 25 वर्षीय दो युवक शामिल हैं। इसके अलावा 38 अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस का कहना है कि अब हालात सामान्य है। घायलों में 2 की हालत गंभीर है। श्रद्धालुओं ने बताया कि सोमवार को अवसानेश्वर मंदिर में काफी भीड़ थी। यहां बारिश से बचने के लिए टीन शेड लगाया गया है। सोमवार तड़के बंदरों ने टीन शेड के ऊपर गए बिजली के तारों को तोड़ दिया। तार टीन शेड और मंदिर के मुख्य गेट पर गिरा, जिससे करंट उतर आया। करंट की चपेट में आने से 2 लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद भगदड़ मच गई। भगदड़ में 28 लोग घायल हुए हैं।

लगभग 14 राज्यों में झूमके बरसेंगे बादल, राजस्थान के 8 जिलों में स्कूलों की छुट्टी

नईदिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के असर के कारण देश के कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। कई जगह बाढ़ के हालात हैं। बांधों में पानी झलकने लगा है और नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। भारतीय मौसम विभाग ने 28 जुलाई को राजस्थान में भारी बारिश का रेड अलर्ट, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। राजस्थान में कई इलाकों में भारी बारिश का दौर शुरू हो गया। इस दौरान 2-6 इंच तक बरसात हुई। साथ ही झालावाड़ में बिजली गिरने से 1 व्यक्ति की मौत हो गई।

देवघर में सावन सुबह पर पसरा मातम का अंधेरा...

एक साथ...हुई 18 कांवड़ियों की मौत, श्रद्धालुओं का दर्दनाक अंत

नई दिल्ली/ एजेंसी

झारखंड के देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में गोड्डा-देवघर मुख्य मार्ग पर मंगलवार, 29 जुलाई की सुबह एक बस और ट्रक के बीच हुई भीषण टक्कर में कम से कम 18 कांवड़ियों (तीर्थयात्रियों) की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया कि झारखंड के देवघर जिले में मंगलवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में कम से कम 18 कांवड़ियों की मौत हो गई। साथ ही, कई अन्य लोगों के घायल होने की भी खबर है। दुबे ने एक पोस्ट में कहा, मेरे लोकसभा क्षेत्र देवघर में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान बस और ट्रक की टक्कर में 18 श्रद्धालुओं की जान चली गई। बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हालांकि, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना में पाँच कांवड़ियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों की हालत गंभीर होने के कारण हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। इस बीच, यातायात पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण प्रसाद ने बताया कि दुर्घटना में कम से कम नौ लोगों की

मौत हो गई है और घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास तड़के करीब साढ़े चार बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक वाहन से टकरा गई। दुमका क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '''देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास कांवड़ियों से भरी 32 सीट वाली बस और गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हालांकि, यातायात पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण प्रसाद ने कहा कि दुर्घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हुई है और घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर होने के कारण हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन को सूचित कर दिया गया है और घायलों को पास के अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंचाया जा रहा है। मेरे लोकसभा के देवघर में श्रावण मास में कांवर यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है ।

पीएम मोदी ने सड़क हादसे में कांवरियों की मौत पर जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को झारखंड के देवघर में हुए सड़क हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि झारखंड के देवघर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इस हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें यह दु:ख सहन करने की शक्ति दें। साथ ही, मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

राजनाथ सिंह बोले- सरकार जो कहती है वो करती है....

नई दिल्ली/ एजेंसी

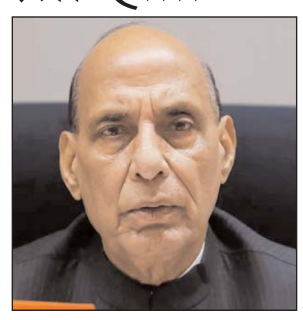

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर पाकिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रहा है तो भारत उसकी मदद करने के लिए तैयार है। भारतीय सेना सीमा के दूसरी ओर भी आतंकवाद से लड़ने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि पाकिस्तान समेत पूरी दुनिया से आतंकवाद खत्म हो। मैं पाकिस्तान को सलाह दूंगा कि अगर आप आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं तो भारत से मदद लें। हम मदद के लिए तैयार हैं। हमारी सेनाएं सीमा के इस पार और उस पार भी आतंकवाद से लड़ने में सक्षम हैं, यह ऑपरेशन सिंदूर से साबित हो चुका है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी चर्चा शुरू की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। मैं आतंकियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना करता हूं। हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान में नागरिकों की जान को कोई नुकसान पहुंचाए बिना आतंकी शिविरों को नष्ट करने का विकल्प चुना। पाकिस्तान भारत में किसी भी लक्ष्य पर हमला नहीं कर सका। हमने सभी हमले रोक दिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में नौ आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। 100 से अधिक आतंकवादी, उनके आका और समर्थक मारे गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को फिलहाल रोका गया गया है। अगर पाकिस्तान ने कोई और दुस्साहस किया तो इसे फिर से शुरू करने में संकोच नहीं किया जाएगा।

चिदंबरम के बयान पर बिफरे गृह मंत्री

शाह ने चिदंबरम से पूछा पाकिस्तान को बचाकर आपको क्या मिलेगा ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सांसद और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम के बयान पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर कांग्रेस को क्या हासिल होगा। शाह ने कहा कि चिदंबरम का बयान पूरी दुनिया के सामने अपने पाक प्रेम का बखान कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता का यह सवाल कि आतंकी पाकिस्तान से आए या नहीं, देश के पूर्व गृह मंत्री की तरफ से एक तरह से पाकिस्तान को क्लीन चिट देने जैसा है। इसके साथ ही शाह ने कहा कि हमारे पास सबूत हैं और हम संसद के पटल पर उसे रखने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मारे गए तीन आतंकियों में से दो के वोटर नंबर तक हमारे पास हैं। उनकी जेब में पाकिस्तान निर्मित चॉकलेट भी मिले हैं। साथ ही शाह ने बताया कि हमला कब और कैसे हुआ। अमित शाह ने कहा कि जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकी पाकिस्तान से थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह 4 बजे इसकी पुष्टि हो गई। साथ ही जिन दो लोगों ने इन आतंकियों को शरण दी थी, उन्हें भी पकड़ लिया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने आतंकियों और उनके मददगारों को पकड़ने के लिए सभी संसाधनों का इस्तेमाल किया। शाह ने जानकारी दी कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी।

'कांग्रेस सवाल न पूछे, साथ दे देश का'

अमित शाह ने अपने भाषण के अंत में विपक्ष से अपील की कि ऐसे वक्त में जब देश के निर्दोष लोग आतंकी हमले में मारे गए, तब राजनीति करने के बजाय राष्ट्रहित में एकजुटता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है। कांग्रेस नेताओं को इस पर सवाल उठाने के बजाय सेना और सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए। गौरव गोगोई के 'मोदी बिहार चले गए और राहुल गांधी पहलगाम गए' वाले बयान पर शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री बिहार में थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों के हमलों की घटनाओं का संज्ञान लिया

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के बढ़ रहे हमलों और रैबीज से हो रही मौतों पर चिंता जताई है। कोर्ट ने सोमवार को परेशान करने वाली मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लेकर रजिस्ट्री को मामले को स्वप्रेरित रिट याचिका के रूप में लेने को कहा है। मामले पर न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने निर्देश दिया कि समाचार लेख के साथ आदेश की एक प्रति आवश्यक निर्देशों के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत की जाए। पीठ ने आदेश जारी करते हुए कहा, आज अखबार की खबर में कुछ चिंताजनक।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भारी बारिश

मंडी में बादल फटने से फिर बरपा कहर, तीन लोगों की मौत, मलबे में दबीं कई गाड़ियां.....

मंडी/ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में भारी बारिश ने फिर तबाही मचाई है। बादल फटने से इस बार मंडी शहर के विभिन्न स्थानों पर कहर बरपा है। मंडी शहर के जेल रोड़ में अभी तक तीन लोगों की पानी के बहाव में बहने से मौत की पुष्टि हुई है। एक महिला का शव मलबे में दबी गाड़ियों के बीच में फंसा हुआ था, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकला गया। मलबे में फंसे कई लोगों को खिड़कियां तोड़कर बाहर निकाला गया। मंडी सदर क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थान आज बंद रखने का फैसला लिया गया। बादल फटने के बाद आई बाढ़ में दर्जनों छोटे-बड़े वाहन मलबे में दब गए हैं और कुछ बह गए हैं। इसके अलावा पैलेस कॉलोनी, जोनल अस्पताल

और अन्य स्थानों पर बारिश ने कहर बरपाया है। पुलिस विभाग, एनडीआरएफ, होमगार्ड और अग्निशमन विभाग की टीमों की ओर से बचाव एवं राहत कार्य चलाया जा रहा है। मृतकों में बलबीर सिंह पुत्र कृष्ण सिंह, अमनप्रीत सिंह उर्फ सनी पुत्र दर्शन सिंह व सपना पत्नी दर्शन सिंह के रूप में हुई है। एक व्यक्ति दर्शन सिंह घायल है और उपचार के लिए मंडी के क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर वासियों ने डर के साए में पूरी रात काटी। सुबह नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विधायक सदर अनिल शर्मा, नगर निगम के मेयर वीरेंद्र भट्ट, कमीशनर रोहित राठौर और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

पटना में बारिश के बाद जलभराव वाली सड़क से गुजरते यात्री।

नेहरू, इंदिरा और मेरी मां के आंसुओं पर बात की

पर युद्ध क्यों रोका ये नहीं बता पाए-प्रियंका

नई दिल्ली। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने अपने भाषण में नेहरू, इंदिरा गांधी और मेरी मां सोनिया गांधी के आंसुओं की बात की, लेकिन ये नहीं बताया कि संघर्ष के बीच अचानक ऑपरेशन क्यों रोका गया? प्रियंका ने सवाल उठाया कि दुश्मन पीछे हट रहा था, तब सरकार

ने सीजफायर का फैसला क्यों लिया और देश को इसकी वजह क्यों नहीं बताई गई। उन्होंने कहा कि सरकार जरूरी सवालों से बच रही है और केवल भावनात्मक बातें करके जनता का ध्यान भटका रही है।

संसद में बोले अमित शाह ने बताया

पहलगाम में निर्दोष नागिरकों की हत्या करने वाले आतंकी मोर गए

नई दिल्ली। एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी। शाह ने कहा, ''मैं सदन के माध्यम से, कल हुए 'ऑपरेशन महादेव' की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। कल 'ऑपरेशन महादेव' में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादीज्सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, ''सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। गृह मंत्री ने कहा, ''जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए। मैं सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सभी जवानों को सदन और पूरे देश की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं। गृह मंत्री के अनुसार, बीते 22 अप्रैल को दिन में एक बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में हमला हुआ था और वह शाम

5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गए थे तथा 23 अप्रैल को एक सुरक्षा बैठक की गई और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर भागने न पाएं। उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन के बाद यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी। गृह मंत्री ने कहा, ''आज मैं सदन को यह बताते हुए बहुत खुश हूं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों के आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था और सेना एवं सीआरपीएफ ने उन आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) पहलगाम हमले के आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुश होंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि ये (विपक्ष) इससे खुश नहीं हैं। यह किस तरह की राजनीति है? शाह ने इस बात पर जोर दिया, ''ये हमारे देश की सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस, तीनों की साझा तौर पर बहुत बड़ी कामयाबी है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए।

श्रावण मास की तीसरे सोमवार को किया गया पीथमपुर के महाकालेश्वर नाथ मंदिर में हुआ विशेष जलाभिषेक का आयोजन

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जिले के पीथमपुर के महाकालेश्वर नाथ मंदिर में श्रावण मास की तीसरी सोमवार के पावन अवसर पर बीते मंगलवार को श्री महाकालेश्वर नाथ के मन्दिर पीथमपुर में विशेष जलाभिषेक का आयोजन किया गया आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा सभी तैयारियाँ पूर्ण की गई थी भक्ति व श्रद्धा के वातावरण में सोमवार को प्रातः से ही भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी। इस विशेष अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा कावड़ यात्रा लेकर बाबाजी को जलाभिषेक करने पहुंच रहे थे। कांवड़िये पवित्र जल लेकर जयकारों के साथ मंदिर परिसर पहुंचें और भगवान शिव का विधिवत विधि विधान से जलाभिषेक किए और भगवान भोलेनाथ के कृपा पात्र बने, भक्तों ने बेल पत्र जल दूध ,दही मधुरस,एवं पंचामृत से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर सुख शांति और समृद्धि की कामना

दान कर पुण्य का काम कर रहे थे। इस जलाभिषेक कार्यक्रम में ग्रामीण एवं नगर व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शिवभक्तों के भीड़ दर्शन करने पहुंचे और जलाभिषेक किए मंदिर समिति द्वारा रुद्राभिषेक की सभी आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था की गई थी साथ ही, श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, जलपान और विश्राम स्थल की व्यवस्था भी की गई है। पूजा-पाठ, रुद्राभिषेक और भजन-कीर्तन के माध्यम से महाकालेश्वर नाथ जी का मंदिर एक बार फिर शिवमय वातावरण में गूंज उठा और ÷हर हर महादेव÷ और ÷बोल बम÷ के जयघोषों से माहौल भक्तिमय हो गया। पंडित नरेश तिवारी जी जो इस महाकालेश्वर नाथ जी पुजारी है उन्होंने बताया कि सिद्ध भगवान भोलेनाथ शिव मंदिर क्षेत्रवासियों का प्रमुख आस्था का केंद्र है ये कालों के काल महाकाल भगवान भोलेनाथ है इनकी पूजा विशेष तर्ज पर होता है विशेष श्रृंगार- धार्मिक व प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है पीथमपुर स्थित महाकालेश्वरनाथ विराजमान हैं, जहां सुबह शाम विशेष तर्ज पर पूजा अर्चना की जाती है। यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए केवल पूजन-स्थल नहीं, बल्कि आस्था, शांति और दिव्यता का प्रतीक बन चुका है। यह बाबा धाम की यह पावन स्थली भगवान शिव का भजन मंदिर अपनी विशेष पहचान व आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ दूर-दराज़ से श्रद्धालु दर्शन करने व शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से पहुंचते हैं।

विशेष बात यह है कि इस मंदिर में हर सोमवार को महाकालेश्वर मंदिर में भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया जाता है। श्रृंगार के दौरान शिवलिंग को विविध पुष्पों, वस्त्रों व भस्म से सजाया जाता है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होता है। यह दृश्य इतना भव्य और मनोहारी होता है कि श्रद्धालु देर तक मंदिर में रुककर दर्शन व पूजन करते हैं।मंदिर की व्यवस्थापन समिति द्वारा श्रावण मास में विशेष आयोजनों की श्रृंखला भी आयोजित की जाती है, जिसमें रुद्राभिषेक, कावड़ यात्रा, भजन संध्या व प्रसाद वितरण जैसे कार्यक्रम शामिल होते हैं।बाबा महाकालेश्वर नाथ जी का मंदिर स्थल शांत वातावरण, हरियाली से आच्छादित प्राकृतिक दृश्य, मनोहरम नदी आच्छादित है जो भगवान भोलेनाथ नाथ का चरणों छु कर बह रही है और भगवान शिव का दिव्य स्वरूप मिलकर इस स्थल को एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल का रूप प्रदान करते हैं। यहां की पवित्रता व ऊर्जा श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति प्रदान करती है।यह महाकेश्वर नाथ को भुइया फोड़ महादेव भी कहते है जो कि भगवान भोलेनाथ नाथ स्वयं प्रकट हुए हैं और प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवान भोलेनाथ नाथ महाकालेश्वर नाथ हर साल आकर में वृद्धि होती रहती है मान्यता है कि इस महाकालेश्वर भोलेनाथ का जल पेट के रोगी जिनको पेट दर्द की शिकायत रहती है उनको भगवान भोलेनाथ नाथ महाकालेश्वर नाथ जी का जलाभिषेक किया गया जल को जलपान भक्तिभाव एवं पूर्ण विश्वास के साथ पीता है उनका पेट दर्द दूर हो जाता हैं तभी तो कहते भगवान भोलेनाथ को देवो के देव महादेव।

जीडी पवार प्लांट में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट कर तोड़फोड़ करने वाले 05 आरोपी चढ़े चांपा पुलिस के हत्थे

प्लांट में काम करने के दौरान हादसे में मृत्यु के कारण आरोपी परिजन उग्र होकर प्लांट में कर्मचारियों से मारपीट कर गाड़ियों में किये थे तोड़फोड़

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में गिरफ्तार आरोपियों के नाम- 1. मनीराम बरेठ उम्र 40 वर्ष निवासी परसवानी थाना उरगा जिला कोरबा 2. नागेश्वर बरेठ उर्फचुन्ना बरेठ उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम परसवानी जिला कोरबा 3. शिव शंकर बरेठ 27 वर्ष निवासी बलौदा जिला जांजगीर चांपा 4. देवचरण बरेठ उम्र 43 वर्ष निवासी परसवानी जिला कोरबा 5. अतुल बरेठ उम्र 21 वर्ष निवासी फरसवानी जिला कोरबा।पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (ढक्कन) ने दिए थे सख्त सभी आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने हेतुजानकारी के

अनुसार प्रार्थी दीपक दास महंत निवासी बरपाली चौक चांपा ने दिनांक 25-7-2025 को थाना चांपा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह दिनांक 23.7.25 को सुबह 6:00 से दोपहर 2:00 तक ड्यूटी पर बॉयलर डेस्क का ऑपरेटर का काम कर रहा था कि करीबन 6:30 प्लांट में फरसवानी गांव का भुवन बरेठ काम करने आया था जो प्लांट में ट्रांसफर टावर में कन्वेयर बेल्ट के पास कन्वेयर बेल्ट चालू करने गया था जहां कन्वेयर बेल्ट में फंसने के कारण उसकी मृत्यु हो गई थी घटना की सूचना मिलने पर आसपास के गांव के लोग तथा मृतक भुवन बरेठ के परिजन प्लांट में आकर हल्ला कर रहे थे और प्लांट के कर्मचारीयों से विवाद कर रहे थे उसी समय फरसवानी गांव का मनीराम घटना की सूचना मिलने पर अपने अन्य साथियों के साथ आकर कर्मचारी नरेंद्र साहू एवं प्रार्थी दीपक दास महंत के साथ मारपीट किया तथा उसके साथ आए अन्य साथी मारपीट कर वहां पर खड़े प्लांट की गाड़ी बोलेरो क्रमांक को राड से मार कर ग्लास को तोड़ दिए थे प्लांट के अन्य स्टाफ के बीच बचाव करने पर सभी लोग ऑफिस की तरफचले गए की रिपोर्ट पर मनीराम बरेठ, राहुल रेठ तथा अन्य के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।दौरान विवेचना पता चला कि उक्त आरोपीगणों द्वारा उनके परिजन भुवन बरेठ की कार्य के दौरान मृत्यु होने के कारण आवेश में आकर परिजनों के द्वारा प्लांट में कर्मचारीयों से मारपीट और तोड़फोड़ की घटना की गई है पुलिस टीम के द्वारा प्रकरण में 04 आरोपियों को पकड़ा गया चारों आरोपियों को विधि गिरफ्तार किया गया प्रकरण में अन्य आरोपी की गिरफ्तारी शेष है।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चांपा सहित स्टॉफका सराहनीय योगदान रहा।

कोटपा एक्ट अंतर्गत जिले में की गई चालानी कार्यवाही

मुंगेली /मूक पत्रिका

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. शीला साहा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कोटपा एक्ट 2003 के उल्लंघन पर प्रवर्तन दल द्वारा चालानी कार्रवाई की गई। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के औषधि निरीक्षक महेन्द्र देवांगन ने बताया कि जिला मुख्यालय में बी.आर.साव स्कूल के समीप स्थित 16 पान एवं किराना दुकानों में कार्रवाई की गई, इनमें 12 दुकानों में 01 हजार 400 रूपए की चालान किया गया और 04 दुकानों को चेतावनी देकर छोड़ा गया। इसी तरह

औषधि निरीक्षक किरण सिंह की टीम द्वारा पथरिया विकासखण्ड के ग्राम सिलदहा में स्कूल के समीप स्थित दुकानों में कोटपा एक्ट की धारा 4 एवं 6 के तहत् कुल 06 दुकानों में कार्रवाई कर 500 रूपए का चालान किया गया। इस दौरान तंबाकू कार्यक्रम के सोशल वर्कर बलराम साहू एवं नोहर डड़सेना और आरक्षक मौजूद रहे। गौरतलब है कि कोटपा एक्ट 2003 की धारा 4 के तहत् सार्वजनिक स्थान में धुम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 5 के तहत् सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादो के ज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 6 के तहत् नाबालिकों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध, धारा 7,8 एवं 10 बिना विशिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विक्रय पर प्रतिबंध धारा 4 एवं 6 के तहत् 200 रूपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

ऑपरेशन उपहार के तहत अपने जन्मदिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक पहुंचे सोठी स्थित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ

निराश्रित बच्चों की संस्था हेल्प एंड हेल्पस दोनों संस्था मे निवासरत मरीजों और बच्चों एवं प्रबंधन से मिलकर मनाया अपना जन्म दिवस

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

ऑपरेशन उपहार के तहत जन्मदिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने प्रबंधन को भेंट की 120 नग चादर एवंम 30 नग जूते, आश्रम प्रबंधन ने पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त करते हुए जन्मदिवस कर के अवसर पर कराया वृक्षारोपण। आश्रम से मिले सम्मान एवंम अपनेपन को पुलिस अधीक्षक ने बताया अविस्मरणीय, मरीजों ने अपने बीच पुलिस अधीक्षक को पाकर हुए भावुक। दरअसल 29 जुलाई को जिले के पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने अपने 51वें जन्म दिवस के अवसर पर थाना बम्हनीडीह क्षेत्र के ग्राम सोठी

में स्थित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ कात्रे नगर मे अपना जन्म दिवस मनाया इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने आश्रम में पहुंचकर सर्वप्रथम प्रबंधन से मुलाकात किया आश्रम प्रबंधन के द्वारा मंदिर परिसर में सर्वप्रथम सिध्दीविनायक गणेश प्रतिमा में पूजा अर्चना कराया गया तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक का आश्रम परिवार की ओर से स्वागत किया गया एवं पुलिस अधीक्षक को जन्म दिवस के अवसर पर शुभकामना प्रेषित किया गया पुलिस अधीक्षक ने प्रबंधन एवं उपस्थित मरीजों को संबोधित किया एवं उनके द्वारा दिए गए सम्मान को एक अनोखा उपहार बताकर अपने जन्म दिवस को यादगार बताया इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में संचालित ऑपरेशन उपहार के तहत व्यक्तिगत रूप से आश्रम प्रबंधन एवं मरीजों के उपयोग हेतु 120 नग चादर उपहार स्वरूप भेंट किया भेट मुलाकात के पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय ने आश्रम परिसर में स्थित संत गुरु घासीदास चिकित्सालय का भ्रमण किया और चिकित्सालय में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया तत्पश्चात प्रबंधन ने आश्रम परिसर में पुलिस अधीक्षक महोदय के जन्म दिवस के अवसर पर आंवला का पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया पुलिस अधीक्षक ने आश्रम परिसर का भ्रमण किया तथा प्रबंधन एवं मरीजों को भविष्य में किसी भी तरह की परेशानी या सहयोग की आवश्यकता पड़ने पर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने के संबंध में चर्चा किया गया इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय जिले के अन्य संस्था हेल्प एण्ड हेल्पस पहुंचे तथा संस्था में निवास रथ निराश्रित बच्चों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना और उन्हें उपयोग हेतु 30 नग जूते उपहार स्वरूप भेंट किया संस्था में निवासरत बच्चों ने अपने बीच पुलिस अधीक्षक के साथ काफी समय व्यतीत किया पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगामी किसी भी तरह की परेशानी होने पर सीधे संपर्क करने बताया। दोनों संस्थाओं के प्रमुखों ने पुलिस अधीक्षक के इस अनूठे पहल की भूरी भूरी प्रशंसा की और समाज का एक पहलू जो समाज के मुख्य धारा से दूर है के बीच अपना कीमती समय बिताने पर दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया।

संपूर्णता अभियान के तहत सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

- टिकरापारा जामगांव के प्रधान अध्यापक विवेक श्रीवास्तव कोंडागांव कलेक्टर के हाथों हुए सम्मानित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कोंडागांव - संपूर्णता अभियान के तहत बीते मंगलवार को कोंडागांव के सामुदायिक भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत की अध्यक्ष रीता शोरी सहित नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी और स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के इंडीकेटर के शत प्रतिशत सैचुरेशन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 66 कर्मचारी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना सहित जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी और उपस्थित अतिथियों ने प्रमाण पत्र देकर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों का सम्मान किया ।

एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण कर, स्वच्छता दीदियों के साथ विकास तंबोली ने मनाया अपना जन्मदिन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर पालिका के सभापति खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग एवं पार्षद वार्ड 11 के विकास तम्बोली ने अपने 50 वीं जन्मदिन को स्वक्षता दीदी जो हर घर से सूखा कचरा गीला कचरा निकालती हैं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सबसे बड़ी मिशन स्वक्ष भारत मिशन के अंतर्गत स्वक्षता अभियान में पूरे देश को स्वक्ष सुंदर गंदगी मुक्त बनाने का कार्य करती हैं करने को तो बहुत बडी जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण कार्य करतीं हैं लेकिन कोई इनको ऐसे मौके पर याद भी नहीं करता मैने सोंचा अपना जन्मदिन को अंतिम पंक्ति में कार्य करने वालों के साथ मनाया जाय तो हम सब वार्ड 13 के मणिकांचन कचरा सेंटर में जाकर सभी स्वक्षता दीदियों के साथ केक काटकर मुँह मीठा कराकर फल वितरण कर सभी स्वक्षता दीदियों के

हाथों से मणिकांचन सेंटर में एक पेड़ अपने जन्मदिन के अवसर पर लगा कर मनाया जिसमे नगर पालिका के अध्यक्ष विजय सिन्हा जी,पूर्व मण्डल अध्यक्ष महेश साहू पार्षद सुश्री नीतू कोठारी,गोलू कोसले की उपस्थिति रहे अध्यक्ष विजय सिन्हा सभापति विकास तम्बोली एवं सभी जनप्रतिनिधियों ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर अपने अपने जन्मदिन शालगिरह वार्षिक श्रद्धा जैसे अनेकों पारिवारिक सुख दुख के कार्यक्रम में व्यर्थ खर्च न कर प्रकृति की रक्षा सुरक्षा जल के संवर्धन संरक्षण के दृष्टि से एक एक पेड़ अपनी माँ के व परिवार के नाम से जरूर लगाये यह आग्रह सभी लोगों से किये।

जनदर्शन में सुनी गई आमजनों की समस्याएं

मुंगेली /मूक पत्रिका

जिला कलेक्टोरेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुनी और नियमानुसार निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम कंचनपुर की राधा नेताम ने आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम अमोरा के ग्रामीणों ने अमोरा-भथरी रोड की मरम्मत

कराने, परमहंस वार्ड मुंगेली के लोगों ने सड़क व नाली निर्माण कराने, गेम्बोपारा मुंगेली निवासी शम्भूराम पात्रे ने आवासीय पट्टा दिलाने, ग्राम गुरूवाइनडबरी के धनसाय ने दिव्यांग पेंशन दिलाने, ग्राम नुनियाकछार के मोगरा निषाद ने शौचालय निर्माण कराने, महाराणा प्रताप वार्ड के कुलदीप पाटले ने विद्युत पोल एवं केबल तार को दुरूस्त कराने सहित अन्य आवेदकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान मुंगेली एसडीएम पार्वती पटेल, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, पथरिया एसडीएम अजय शतरंज सहित संबंधित अधिकारीगण और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश कार्यालय अंतर्गत रिक्त पदों पर भर्ती हेतु कौशल परीक्षा 24 अगस्त को

जांजगीर-चांपा - कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जांजगीर चांपा के जिला स्थापना में रिक्त पदों सहायक ग्रेड 03 के कुल रिक्त पद 20 एवं कोर्ट मैनेजर अमला हेतु लिपिक क्लर्क (संविदा) के कुल 01 पद हेतु पात्र अभ्यार्थीयों का कौशल परीक्षा 24 अगस्त 2025 दिन रविवार को प्रातः 09 बजे से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय जांजगीर चांपा के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। कौशल परीक्षा हेतु पात्र सभी अभ्यार्थी नियत समय के 30 मिनट पूर्व अर्थात प्रातः 8.30 बजे से दस्तावेज सत्यापन हेतु सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों, आधार कार्ड एवं 02 नग रंगीन फोटो के साथ कौशल परीक्षा हेतु उपस्थित रहे, उसी दिनांक को दस्तावेज सत्यापन भी किया जावेगा।

प्रभारी सचिव एस. भारतीदासन ने विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली बैठक, की योजनाओं की गहन समीक्षा, शासन की मंशा के अनुरूप तेज़ और प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

लंबित राजस्व मामलों के निराकरण में दें विशेष जोर : प्रभारी सचिव भारतीदासन

मुंगेली /मूक पत्रिका

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के सचिव एवं मुंगेली जिले के प्रभारी सचिव एस. भारतीदासन ने विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली। उन्होंने विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को तेज़, पारदर्शी और जनहितकारी प्रशासन के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में विभागवार प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। सचिव भारतीदासन ने राजस्व विभाग अंतर्गत नक्शा-बटांकन अभियान में तेजी लाकर जिले की रैंकिंग सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम आवास अंतर्गत जिले का राज्य में दूसरा रैंक हासिल होने, किसान पंजीयन में जिले को चौथा स्थान, अभिलेख शुद्धता, भुइयां पोर्टल और ई-कोर्ट मामलों में बेहतर प्रदर्शन आदि योजनाओं में बेहतर प्रगति पर सराहना की। उन्होंने राजस्व सहित विभिन्न प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण एवं बेहतर प्रगति लाने निर्देशित किया। प्रभारी सचिव ने पीएम जनमन अंतर्गत निर्मित आवासों में प्रगति

लाने, लोगों को शौचालयों का वास्तविक उपयोग के प्रति जागरूक करने, मनरेगा अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दिलाने सहित पंचायत विभाग के महत्वाकांक्षी योजनाओं में आवश्यक प्रगति लाने निर्देशित किया। पुलिस विभाग की समीक्षा की करते हुए सचिव ने वर्कशॉप के माध्यम से तीन नए कानून का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत उचित कार्यवाही करने, यातायात नियमों और सुरक्षा नियमों का पालन करने लोगों को जागरूक करने कहा। शिक्षा विभाग के अंतर्गत कम दर्ज संख्या वाले पीएमश्री स्कूलों में संख्या बढ़ाने, समय पर छात्रवृत्ति, पाठ्यक्रम की पूर्णता, समय पर टेस्ट, पैरेंट्स टीचर मीटिंग आदि माध्यमों से शिक्षा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल और कॉलेज में एक पेड़ मा के नाम के तहत पौधारोपण करने निर्देशित किया। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने जिले में पर्याप्त खाद की आपूर्ति सुनिश्चित करने और खाद-बीज दुकानों की नियमित मॉनिटरिंग करने निर्देशित किया। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत कुपोषण मुक्ति के लिए विशेष प्रयास करने, एनआरसी में बेड की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम मातृवंदना योजना, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी वंदन योजना में लक्षित प्रगति लाने, महिलाओं एवं बच्चों की स्किल मैपिंग कराकर रोजगार के लिए उचित कौशल प्रदान करने कहा। प्रभारी सचिव ने ई-डिस्ट्रिक्ट अंतर्गत प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने, आय, जाति निवास प्रमाण पत्र बनाने विशेष कैंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई विभाग के जल जीवन मिशन अंतर्गत पर्याप्त जल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जल संसाधन, लोक निर्माण विभाग, आर ई एस, पीएमजीसवाई अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों में लक्ष्य के अनुरूप समय-सीमा में बेहतर प्रगति लाने निर्देशित किया। अघोषित विद्युत कटौती के संबंध में जानकारी ली और निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों, श्रम विभाग, उद्योग विभाग, कौशल विकास की समीक्षा की और बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि शिक्षा गुणवत्ता के संदर्भ में बताया कि मिशन 90 प्लस अभियान अंतर्गत स्कूलों का चिन्हांकन कर विशेष कार्ययोजना बनाकर शिक्षा गुणवत्ता के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने कार्य किया जा रहा है। इसके लिए अभियान चलाकर शिविर के माध्यम से भी लोगों को लाभान्वित किया गया। उन्होंने बताया कि मुंगेली पहला जिला है, जहां सबसे पहले ई-ऑफिस की शुरुआत की गई है। सभी विभागों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि धान शॉर्टेज वाले केंद्रों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड में मिशन मोड में कार्य करते हुए बेहतर प्रगति लाई गई है। मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। स्वास्थ्य केंद्रों में इसके लिए पर्याप्त दवाइयां उपलब्ध कराई गई है और लोगों को इसके लिए जागरूक किया जा रहा है। ''एक पेड़ मां के नाम ढाई लाख से अधिक पौधारोपण किया जा चुका है। महाभियान चलाकर पीएम आवास परिसरों में 01 लाख से अधिक पौधे लगाए गए। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने बताया कि जिले में यातायात के क्षेत्र में पुलिस टीम द्वारा कार्य किया जा रहा है। सड़क पर गायों की समस्या के उचित समाधान के लिए भी कार्य किया जा रहा है। जिले में ब्लैक स्पॉट शून्य हो गया है, सड़क दुर्घटना में कमी आई है। एसपी ने बताया कि बच्चों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पहल कार्यक्रम चलाया जा रहा है। आपराधिक आंकड़े के संबंध में बताया कि ऑपरेशन तलाश और मुस्कान अंतर्गत जिले को अच्छी सफलता मिली है। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने बताया कि जिले में 61 हजार से अधिक आवासों को पूर्ण कर लिया गया है। शेष प्रगतिरत आवासों को पूर्ण करने कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। पानी की समय के समाधान के लिए मोर गांव मोर पानी महाभियान अंतर्गत डिफंक्ट बोरवेल और सैंड फिल्टर का निर्माण किया गया है, जल जीवन मिशन अंतर्गत रिचार्ज पिट का भी निर्माण किया जा रहा है। बैठक में एटीआर के उप संचालक गणेश यू.आर., अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी. एल.यादव एवं मेनका प्रधान, मुंगेली एसडीएम पार्वती पटेल, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, पथरिया एसडीएम अजय शतरंज सहित अधिकारीगण जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े हुए थे।

मंडल कमेटी के गठन हेतु जिला कांग्रेस प्रभारी विकास उपाध्याय ने ली बैठक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी के राजीव भवन में बीते मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी प्रभारी एवं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बेमेतरा जिले के सभी ब्लॉक अध्यक्षों के बैठक ली इस बैठक में विशेष रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा भी उपस्थित रहे इस दौरान जिला प्रभारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें पूरे जिले में मंडल कांग्रेस कमेटी का गठन करना है और इसके लिए सभी मंडलों में योग्य और निर्भीक जुझारू तथा सर्वमान्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ही मौका दिया जाएगा और जिसे भी मंडल अध्यक्ष बनाया जाएगा पूरे मंडल के कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करेंगे साथ ही साथ विकास उपाध्याय ने कहा कि वैसे तो कांग्रेस का सिपाही भाजपा के नापाक इरादों से डरने वाला नहीं है भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ में सरकार नहीं चला पा रही है लोगों को समझ ही नहीं आ रहा है कि प्रदेश सरकार को खींच कौन रहा है यह रिमोट कंट्रोल सरकार बनकर रह गई है आम जनता ने इन्हें जी उम्मीद के साथ सत्ता सौंप थी वह धराशाई हो गई है कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनहित के मामलों को उचित जगह पर लगातार उठाते रहना है तथा जनता के काम एवं जनता से संपर्क निरंतर बना रहे इस बात को विशेष रूप से सभी कांग्रेस कार्यकर्ता समझ लें बैठक को पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे ने भी संबोधित किया जिसमें उन्होंने जिले के सभी कार्यकर्ताओं से अपील किया कि आपस के मतभेद बुलाकर कांग्रेस को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करना है तथा जनता को भाजपा की नाकामी को बताना है मंडल कमेटी का गठन भी आप लोगों के बीच से ही तय किया जाना है साथ ही साथ ऐसे व्यक्ति को मंडल अध्यक्ष के रूप में कार्यकर्ता चयनित करें जिसके नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्य करना चाहते हो साथ ही साथ उसे नाम पर सभी एक राय हो इस बैठक को जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने भी संबोधित करते हुए कहा कि बेमेतरा जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओ को भाजपा के दबाव और डर के आगे झुकना नहीं है कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता भाजपा के सौ सौ कार्यकर्ताओं पर भारी है हमारे कार्यकर्ता जनता से सीधे जुड़े हुए हैं जन समस्याओं को हमें सामने लाना है साथ ही साथ जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने क्षेत्र की जन समस्याओं को ज्यादा से ज्यादा उठाएं जनमानस की समस्याओं को सामने लाएं और उन्हें हल करने का भर्षक प्रयास करें कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अगर किसी भी काम में कोई अड़चन आती है अथवा भाजपा के द्वारा काम में रुकावट की जाती है तो उसे जिला फोरम में बताएं पूरे जिला कांग्रेस के कार्यकर्ता एकजुट होकर उन समस्या का निराकरण कराएंगे जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कार्यकर्ताओं को मंडल कमेटी के गठन में बहुत ही सतर्कता बरतने तथा जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को मंडल कमेटी में प्रमुख पदों पर स्थान देने तथा चुनाव करने की बात कही जिससे कांग्रेस का जमीनी कार्यकर्ता भी गौरांवित हो सके साथ ही साथ उन्होंने मंडल कमेटी में इस बात का विशेष रूप से ध्यान दिया जाना होगा की कोई फूल छाप कांग्रेसी मंडल कमेटी में स्थान न प्राप्त करें इस बैठक में ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा लुकेश वर्मा राम बिहारी राजपूत जितेंद्र उपाध्याय जोगिंदर छाबड़ा शत्रुघ्न साहू नवाज खान हीरा देवी वर्मा विजय बघेल चंद्र प्रकाश साहू सुरेंद्र तिवारी अवनीश राघव ओम दाऊ हरीश साहू शशिप्रभा गायकवाड सुशीला जोशी रवि परगनिया कविता साहू नवीन ताम्रकार रीता पांडे रश्मि मिश्रा रूबी सलूजा रीना साहू मिथिलेश वर्मा शुभम वर्मा दीपक दिनकर मनोज शर्मा राम ठाकुर प्रवीण शर्मा विवेक सिंह राजपूत प्रणिश चौबे रामेश्वर साहू प्रांजल तिवारी राजू साहू नवाज खान रास बिहारी कुरें नेहा सुराणा योगिता साहू जगजीत सिंग कमल साहू जयप्रकाश राज देवेंद्र साहू मोनल सिन्हा फत्ते पटेल दिनेश साहू राजेंद्र टंडन प्रशांत तिवारी मोहन वर्मा राजेंद्र वर्मा मनोज जायसवाल कमल पुरी गोस्वामी गणेश टंडन मनीष परिहार सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समय-सीमा बैठक के पश्चात सीईओ टेकचंद अग्रवाल ने जनदर्शन में सुनीं जनसमस्याएं, 34 आवेदन हुए प्राप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत टेकचंद अग्रवाल ने बीते मंगलवार को समय-सीमा की बैठक के पश्चात कलेक्टोरेट परिसर स्थित दृष्टि सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आम जनता की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को गंभीरता से सुना। जनदर्शन में जिले के विभिन्न अंचलों से आए नागरिकों ने सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक विषयों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस जनसुनवाई में कुल 34 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया। वहीं, गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा पंजी में दर्ज कराकर शीघ्र निराकरण के निर्देश सीईओ अग्रवाल ने दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। प्राप्त आवेदनों में से कुछ प्रमुख मामले मे वार्ड क्रमांक 2, विधानगर (बेमेतरा) निवासी चंद्रभान बंजारे ने साइबर ठगी से 4.50 लाख रुपये की राशि वापस दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम बांसा, तहसील बेरला के समस्त किसानों ने जमीन विवाद संबंधी समस्या रखी। ग्राम कोहड़िया, तहसील बेरला के निवासियों ने वजेश स्टील प्राइवेट लिमिटेड परियोजना का विरोध करते हुए परियोजना निरस्तीकरण की मांग की। वार्ड क्रमांक 17, बेमेतरा के रहवासियों ने गौरव पथ नवीन बाजार से सिघौंरी मार्ग तक की नाली सफाई की मांग रखी। ग्राम नेवनारा, तहसील बेरला के ग्रामवासियों ने चारागाह भूमि के उद्योग विभाग द्वारा किए जा रहे अनुचित अधिग्रहण को रद्द करने की मांग की। इसके अतिरिक्त जनदर्शन में निराश्रित, दिव्यांग एवं वृद्धावस्था पेंशन, बैटरी चालित ट्राइसाइकिल, आवास योजना से वंचित हितग्राहियों की समस्या, आम रास्ता खुलवाने, खाद गड्ढा हटवाने, रकबा जोड़ने, जैसे महत्वपूर्ण विषयों से जुड़े आवेदन भी प्राप्त हुए। सीईओ टेकचंद अग्रवाल ने कहा कि जनदर्शन शासन और प्रशासन के बीच सेतु की तरह कार्य करता है। यहां प्राप्त जनशिकायतों के माध्यम से वास्तविक जमीनी समस्याओं की जानकारी मिलती है और त्वरित समाधान का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्य करें और प्रगति की नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

वन्यजीव संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर मंगलवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बारनवापारा में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर, अधीक्षक बारनवापारा अभयारण्य आनंद कुदरिया, एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी बारनवापारा सुनील खोब्रागड़े के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा कि बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि जैव विविधता की रक्षा का प्रतीक है। जहाँ बाघ सुरक्षित हैं, वहाँ पूरा पर्यावरण संतुलित रहता है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम छात्र-छात्राओं के माध्यम से समाज में बाघों के संरक्षण की चेतना प्रसारित करे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाघों के पारिस्थितिकी तंत्र में महत्व, बाघ संरक्षण की आवश्यकता, तथा वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व के विषय में जानकारी दी गई। विद्यालय में उपस्थित प्रशिक्षु वन परिक्षेत्र अधिकारी राहुल उपाध्याय एवं सुश्री कविता ठाकुर ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें वन्यजीवों की रक्षा के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने बाघों के संरक्षण पर अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों से सबको प्रभावित किया।

अवैध निर्माण और प्लाटिंग पर कलेक्टर सख्त, जोन कमिश्नरों को दिए निर्देश

जलभराव की समस्या का समाधान करने दिए निर्देश

नगरीय निकायों की बैठक ली, कहा अतिक्रमण-यातायात समेत मूलभूत सुविधाओं के लिए जोन कमिश्नर होंगे जिम्मेदार

रायपुर /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिले के नगरीय निकायों के जोन कमिश्नरों की बैठक ली। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि जोन में व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी संबंधित जोन कमिश्नर है। उनके जोन में अवैध प्लाटिंग, अतिक्रमण या निर्माण होता हे तो उस पर नजर रखें और कार्रवाई करें। यदि इस प्रकार की शिकायत आती हे तो जोन कमिश्नर के साथ राजस्व अधिकारी और नगर निवेश विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। कलेक्टर ने कहा कि जोन कमिश्नर अपने संबंधित वार्डों का नियमित रूप से निरिक्षण करें और मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराएं। कहीं पर जलभराव की समस्या आने पर त्वरित समाधान निकालें, जिससे नागरिकों को तकलीफ ना हों। यहीं नहीं यातायात जाम होने स्वमेव पहल करें ओर पुलिस के साथ समन्वय बनाकर निराकरण किया जाए। डॉ सिंह ने कहा कि स्कूलों के बाहर अवैध गुमटियां को हटाने की कार्रवाई करें। ट्रांसफार्मर के नीचे झाड़ियां होने पर उसकी सफाई किया जाए इसके लिए सीएसईबी के साथ समन्वय बनाएं। अवैध होर्डिंग के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रखें। राज्य प्रवर्तित योजनाओं का तेजी से क्रियान्वन किया जाए। इस बैठक में रायपुर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, बिरगांव नगर निगम आयुक्त युगल उर्वशा, सभी जोन कमिश्नरों सहित संबंधित उपस्थित थे।

ई-ऑफिस एवं SPPAROW क्रियान्वयन हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगा प्रशिक्षण, सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि उनके अधीनस्थ समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को ई-ऑफिस एवं स्पैरो प्रणाली के सुचारु एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण दिलवाया जाए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ई-ऑफिस ऑनबोर्डिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी, ताकि सभी अधिकारी-कर्मचारी डिजिटल कार्यप्रणाली के अनुरूप कार्य करने में दक्ष हो सकें। इस उद्देश्य से समस्त जिला कार्यालयों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण से जुड़ने हेतु वीसी लिंक : https\Ñ//bharatvc.nic.in/join/3702741710 इसी प्रकार कॉन्फ्रेंस आई डी : 3702741710 और पासवर्ड : 622380 जानकारी साझा की गई है। प्रशिक्षण की समय-सारणी अलग-अलग जिलों को पृथक रूप से भेजी गई है। सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित समय पर विसी में सम्मिलित होकर प्रशिक्षण पूर्ण करें, ताकि ई-गवर्नेंस के इस महत्वपूर्ण पहल को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य शासन की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, दक्ष और समयबद्ध बनाना है। ई-ऑफिस और स्पैरो जैसे डिजिटल टूल्स से सरकारी कामकाज में तेजी आएगी तथा कार्यों की निगरानी एवं

स्लरी पाइप लाइन के गड्ढे में डूबा मासूम एनएमडीसी अफसरों की लापरवाही से हुआ हादसा

01 वर्ष से गड्ढा को पाटा नही गया,कई मवेशी भी गड्ढे कीआगोश मे समा चुके है

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

गीदम थाना क्षेत्र के हाऊरनार में एनएमडीसी की स्लरी पाइप लाइन बिछाने खोदे गए गड्ढे में डूबने से 10 वर्षीय मासूम छात्र की मौत हो गई। बचेली से नगरनार तक बिछाई जा रही स्लरी पाइप लाइन बिछाने के लिए एनएमडीसी ने करीब 10 मीटर गहरा गड्ढा खुदवाया हुआ है, लेकिन पाइप अब तक नहीं बिछाई है, जिससे खुले हुए गड्ढे में करीब 8 मीटर गहराई तक बरसात का पानी भरा हुआ है। सोमवार की शाम स्कूल में छुट्टी होने के बाद मृतक टिकेश्वर पिता गौतम सिंह उम्र 10 वर्ष पास के खेत की तरफ गया था। इसी दौरान स्लरी पाइप लाइन के करीब 10 मीटर गहरे गड्ढे में भरे पानी में गिरकर डूबने लगा। उसके साथ एक अन्य बच्ची भी डूबने लगी। इसी दौरान राह चलते लोगों ने डूब रही बच्ची को किसी तरह बचा लिया। लेकिन टिकेश्वर को नहीं बचा सके। मृतक कक्षा 4 थी का छात्र था। इस हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने आरोप लगाया कि एनएमडीसी पाइप लाइन बिछाने वालों की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ। पहले भी यहां गाय-भैसों के गिरकर डूबने के हादसे हो चुके थे। इसके बाद भी कोई सुरक्षा उपाय नहीं किए गए।

देवकर समिति में 96% कृषकों ने उठाया संतुलित खाद, 2.37 करोड़ से अधिक की सहायता राशि एवं उर्वरकों का वितरण, किसान जुटे सफल खेती में

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वर्तमान खरीफ सीजन 2025 में बेमेतरा जिले की देवकर तहसील अंतर्गत सेवा सहकारी समिति सहसपुर (वि.ख. साजा) ने उर्वरक वितरण और कृषि सहायता के क्षेत्र में सराहनीय उपलब्धि दर्ज की है। कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे समिति से जुड़े कुल 1385 पंजीकृत कृषकों में से 1332 कृषकों ने संतुलित उर्वरक का उठाव कर लिया है, जो कुल का 96त्न है। इससे क्षेत्र में कृषि कार्य सुचारू और सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। उप संचालक एम डी डडसेना ने बताया की समिति द्वारा वितरित उर्वरकों में यूरिया 188.280 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 100.850 मीट्रिक टन, डीएपी 55.150 मीट्रिक टन, पोटाश 37.900 मीट्रिक टन, जिंक सल्फेटः 1.035 मीट्रिक टन, धान बीज स्वर्णा 120 क्विंटल, धान बीज (महामाया) 60 क्विंटल का वितरण किया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित योजनाओं के अंतर्गत किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर खाद, बीज एवं नगद ऋण सुविधा भी प्रदान की जा रही है। देवकर की सेवा सहकारी समिति सहसपुर के माध्यम से अब तक 2.37 करोड़ रुपए से अधिक की राशि कृषकों को वितरित की जा चुकी है, जिससे वे आत्मनिर्भर होकर खेती-किसानी में लगे हुए हैं। समिति प्रबंधक ने बताया कि डीएपी की सीमित आपूर्ति के मद्देनजर, कृषि विभाग के मार्गदर्शन में किसानों को एसएसपी , यूरिया, पोटाश तथा एनपीके जैसे विकल्पों की ओर प्रेरित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप 88त्न से अधिक किसानों को संतुलित उर्वरक वितरण सफलतापूर्वक किया गया है। संतुलित पोषण के माध्यम से किसानों की फसलों की गुणवत्ता में सुधार और उत्पादकता में वृद्धि देखी जा रही है।

वरिष्ठ कवि मँगत रविन्द्र "छत्तीसगढ़ के नामी साहित्यकार पहुँचे बेमेतरा नगर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विगत दिवस कोरबा जिला ग्राम उरगा निवासी उत्कृष्ट लेखक साहित्यकार मँगत रविन्द्र जी बेमेतरा नगर में डॉ. गोकुल बँजारे चँदन के निवास स्थान जुना कैइहा तरिया पार पहुँचे जिसका बँजारे परिवार व कुछ साहित्यकारों, कलाकारों ने स्वागत अभिनन्दन किया,उपस्थित साहित्यकारों के साथ छत्तीसगढी भाषा के विकास पर आधारित साहित्यिक गतिविधियों पर विशेष बातचीत किया गया, दूसरे दिवस वे बेमेतरा तहसील अँतर्गत ग्राम चँदनु, कोसा, मुलमुला, बहुनवागाँव का भी भ्रमण किया । मँगत रविन्द् द्वारा छत्तीसगढी भाषा का अधिक से अधिक दैनिक जीवन में उपयोग करने बोलने लिखने पढने हेतु आमजन तक साहित्य व कला के माध्यम से प्रेरित करने कहा गया, साहित्य समाज का दर्पण है को विस्तार पूर्वक समझाया गया। छत्तीसगढ़ में नाचा गम्मत लुप्त प्राय होने की कगार पर भी चिंता जाहिर की गई, रविंद्र द्वारा अभी तक लगभग बीस किताबों का लेखन कर प्रकाशित किया गया है, जिसमें प्रभात सागर चर्तित रचना है, इसके अलावा छत्तीसगढी व्याकरण, गीत गँगार, सुगंध धारा, रतनजोत, आधुनिक विचार आदि शामिल है। उनका लेख कुछ पाठ्य पुस्तकों में भी शामिल किया गया है। रविन्द्र जी के सम्मान पर सान्ध्य कालीन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें हास्य व्यँग युवा कवि मणीशँकर दीवाकर चँदनु से , जुगेश बँजारे छिरहा से कोमल मानदेव बहुनवागाँव, मनोज पाटिल, भुवन दास जाँगडे सिरवाबाँधा, मँगत रविन्द्र, व गोकुल बँजारे चँदन, पत्रकार उमाशंकर दीवाकर,सहित कवित्री काँतिप्रभा बँजारे शामिल रहे। गोष्ठी का विधिवत सँचालन कवि गोकुल चँदन ने किया। ससम्मान अगले दिवस वे बिलासपुर होते हुए उरगा कोरबा के लिए प्रस्थान किया।

15 अगस्त की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित ,सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

जिला पंचायत सीईओ की अध्यक्षता मे समय सीमा की बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार कलेक्टोरेट के दिशा सभा कक्ष में जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं जन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा की गई। सीईओ श्री अग्रवाल ने कहा कि 15 अगस्त के आयोजन को गरिमामयी, सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक रूप में मनाया जाए। सभी विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने साफ-सुथरे परिधान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की गरिमा, बच्चों के परिधान (कस्ट्यूम) और प्रतिभागियों के समुचित अनुशासन पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त को फाइनल रिहर्सल और 14 अगस्त को देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सभी शासकीय कार्यालयों में 14 व 15 अगस्त को रौशनी करने के निर्देश दिए गए हैं।

योजनाओं की प्रगति, जनशिकायतों और बाढ़ आपदा प्रबंधन पर व्यापक समीक्षा-बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, लोक सेवा गारंटी, राजस्व प्रकरणों, पीएम आवास, नक्शा-बटांकन, त्रुटि सुधार, नगरीय निकाय, ग्राम पंचायतों के प्रकरण की गहन समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए गए।

सीईओ ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी लंबित और अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास पूर्ण नहीं होने या शिकायतों के समाधान में देरी होने पर संबंधित अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मानसून के मद्देनज़र बाढ़ आपदा प्रबंधन पर चर्चा करते हुए उन्होंने राजस्व व अन्य विभागों को सतर्क रहने और संवेदनशील क्षेत्रों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत पहुंचाने के लिए संसाधनों और व्यवस्थाओं को तैयार रखें।

रजत जयंती वर्ष को लेकर गाइडलाइन ङ्क साप्ताहिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करें: सीईओ- छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। राज्य शासन द्वारा 15 अगस्त 2025 से 6 फरवरी 2026 तक यह आयोजन दो चरणों में किया जाएगा प्रथम चरण 15 अगस्त से 31 अक्टूबर 2025 और द्वितीय चरण 1 नवम्बर 2025 से 6 फरवरी 2026 तक 7 सीईओ ने निर्देशित किया कि सभी विभाग इस दौरान साप्ताहिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार करें और हितग्राही मूलक गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि रजत जयंती कार्यक्रम राज्य शासन की मंशा के अनुरूप, जनभागीदारी और लोकहित को केंद्र में रखकर आयोजित किया जाए। समय सीमा की बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, ठोस-तरल अपशिष्ट प्रबंधन, और सार्वजनिक स्थलों की सफाई व्यवस्था की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की गई। सीईओ ने निर्देश दिए कि मिशन के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए वार्ड, ग्राम पंचायत और जनपद स्तर पर नियमित निरीक्षण और प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता संबंधी प्रकरणों एवं शिकायतों का त्वरित समाधान प्राथमिकता से करें और समय-सीमा के भीतर लक्ष्य प्राप्त करने हेतु फील्ड अमले की सक्रियता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित आवेदनों, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, नामांतरण, राशन कार्ड, राजस्व से जुड़ी सेवाओं की समयबद्ध आपूर्ति के निर्देश भी दिए और स्पष्ट किया कि नियमित मॉनिटरिंग से ही सुशासन की भावना जमीनी स्तर तक पहुंचेगी 7

कार्यालयों में समयपालन और निरीक्षण में लापरवाही पर सख्ती-बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से स्कूल, छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्र, उचित मूल्य दुकान, आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें। साथ ही सभी शासकीय कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्यालय में अनुपस्थित रहने या कार्य में लापरवाही बरतने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। ई-ऑफिस की प्रगति की भी समीक्षा की गई, अधूरी लॉगिन आईडी और लंबित तकनीकी मामलों को शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया। साथ ही सभी जर्ज़र शासकीय भवनों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार की कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एडीएम अनिल वाजपेयी, अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, समस्त एसडीएम, जिला स्तरीय विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

29 करोड़ भूखे, 53 देश संकट में

दुनिया भर में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। इसी का दंभ भरकर किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? समाज के समग्र उत्थान का तत्त्व विकास की इस धारा में कहां है? यह कैसा विकास है कि एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के बूते खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का राग अलाप रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी के कारण अपने शरीर की ताकत भी खो रहे हैं।विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन की 'वैश्विक खाद्य संकट' पर एक हालिया रपट में किए गए खुलासे चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में उलझा हुआ है।संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर ज्यादा कठिन हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है। भुखमरी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख हैं।भूख, भुखमरी और भोजन का संकट, एक अरब आबादी की जरूरत का खाना रोजाना हो रहा बर्बाद।इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध के दौरान प्रभावित लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने पर रोक लगा देने की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने की ओर इशारा करते हैं।महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है।

इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। इस पर तुर्रा यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है।

भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे। मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाज़े खोलता है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता: एक क्रांतिकारी कदम

(ललित गर्ग)

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है।

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झूकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागज़ी करार नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाज़े खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं।

ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत-विकसित भारत का आधार है।

मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं। ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का एक अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से ऐसे दूरगामी वैश्विक असर पड़ेंगे

(कमलेश पांडे)

आंकड़े बताते हैं कि भारत और ब्रिटेन के बीच पुराने व्यापारिक रिश्तों के बावजूद 2023-24 में केवल 21.34 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। जो दोनों देशों के अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह आंकड़ा बहुत कम है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) केंद्र में सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अंतरराष्ट्रीय मायने बेहद अहम हैं, क्योंकि इसका फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। इस प्रकार भारत और ब्रिटेन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से आने वाले वर्षों में दूरगामी वैश्विक असर भी देखने को मिलेंगे।

यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका प्रेरित भूमंडलीकरण और निजीकरण की नीतियों पर आधारित मुक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था के दौरान, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से कारोबारी संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। देखा जाए तो भाजपा नीत एनडीए सरकार ने 2014 में केंद्रीय सत्ता में आने के बाद भारत ने मॉरिशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है।

लिहाजा, भारत-ब्रिटेन में बीच हुआ एफटीए उसी की एक अगली कड़ी है। जबकि यूरोप से हमारी बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए कि अर्थव्यवस्था (इकॉनमी) के मोर्चे पर आने वाली संभावित चुनौतियों से निपटने में ऐसी ही द्विपक्षीय व्यापारिक डील सहायक होती हैं।

आंकड़े बताते हैं कि भारत और ब्रिटेन के बीच पुराने व्यापारिक रिश्तों के बावजूद 2023-24 में केवल 21.34 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। जो दोनों देशों के अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह आंकड़ा बहुत कम है। लिहाजा माना जा रहा है कि ट्रेड डील से सालाना व्यापार 34 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। जबकि दोनों देश साल 2030 तक इसे 120 बिलियन डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचाना चाहते है।

इससे साफ है कि अब दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा और कारोबारी संतुलन लाने में भी आशातीत मदद मिलेगी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आधुनिक भारत के निर्माण में इंग्लैंड का बहुत बड़ा योगदान है, क्योंकि 1947 से पहले इंडिया पर उसी का शासन था। कॉमनवेल्थ देशों के सदस्य के नाते उससे भावनात्मक लगाव भी है। देखा जाए तो इस समझौते को लेकर लंबे समय से भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील की बातचीत चल रही थी। इसकी वजह से ही अमेरिका की टैरिफ सम्बन्धी बातचीत भी चल रही थी और हाल में ही इसमें भी तेजी आई है। इसके पीछे एक नीति है। क्योंकि डॉनल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी ने पूरी दुनिया में आर्थिक व सैन्य अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसे में इस तरह के द्विपक्षीय समझौते से दोनों देशों को इस अनिश्चितता को घटाने और व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत के मेक इन इंडिया के लिहाज से भी यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजें पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इससे वहां पर हमारा व्यापार बढ़ेगा। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेगी। लिहाजा इस डील से भारत के टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को एक बड़ा फायदा होगा। इनसे हमारे मैन्युफैक्चरिंग उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा।

बता दें कि अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 फीसदी है, जबकि चीन की 28.8 फीसदी। इसी तरह, देश की सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीडीपी) में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इसलिए इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा।

भारत-इंग्लैंड के बीच हुए एफटीए सेवकृषि सेक्टर को भी फायदा पहुंचेगा। इसी तरह के व्यापारिक समझौते के लिए इस समय भारत की बातचीत लम्बे समय से अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। क्योंकि अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा कदापि नहीं कर सकता है। इसलिए ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील हो जाती है तो उससे भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर हमारे कदम आगे बढ़ेंगे। हालांकि, भारत की गुटनिरपेक्षता की नीति, पिछले एक दशक के आशातीत आर्थिक विकास आदि से अमेरिका चिढ़ा हुआ है। उसकी नीति रही है कि अमेरिकी कम्पनियां चीन में सस्ता माल बनाएंगी और उसे भारत में खपायेंगी। लेकिन मनमोहन सरकार की इस राष्ट्रविरोधी नीति को नरेंद्र मोदी सरकार ने पलट दी है और मेक इन इंडिया, मेक फ़ॉर द वर्ल्ड जैसी ठोस राष्ट्रवादी नीतियों को बढ़ावा दिया है। भारत से अमेरिका की चिढ़ की एक मौलिक वजह यह भी है कि वह भारत को रूस से दूर करके चीन से लड़ाना चाहता है, भारत के पड़ोसी देशों को चीन-पाकिस्तान की मदद से इंडिया से उलझाना चाहता है, ताकि अरब देशों की तरह भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में भी उसका दबदबा बढ़े और हथियार खपे। लेकिन वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखने वाले भारत के साथ अमेरिका की एक नहीं चली।

नागरिक बोध और नज़ीर बनता इंदौर

प्रो. मनोज कुमार

मध्यप्रदेश हमेशा की तरह स्वच्छता सर्वेक्षण में सबसे आगे रहा. लगातार 8वीं दफा इंदौर सिरमौर बना तो राजधानी भोपाल भी श्रेष्ठता का सिरमौर बना. मध्यप्रदेश के कुछ अन्य शहर भी स्वच्छता सर्वेक्षण में स्वयं को साबित किया। स्वच्छता सर्वेक्षण का यह परिणाम सचमुच में सुखदायक है और गर्व से कह सकते हैं कि देश का दिल मध्यप्रदेश अब एक स्वच्छता प्रदेश भी है। अब सवाल यह है कि पुरस्कारों का ऐलान हुआ, उत्सव हुआ, चर्चा हुई और असली मकसद स्वच्छता फिर कहीं तब तक के लिए हाशिए पर जाता दिख रहा है जब तक दुबारा स्वच्छता स्वच्छता सर्वेक्षण का सिलसिला आरंभ ना हो। यक्ष प्रश्न यह है कि क्या हम सिर्फ नम्बरों में आगे रहने के लिए ही स्वच्छ प्रदेश होने का प्रयास करते हैं या नागरिक बोध के साथ स्वच्छता की दिशा में कदम बढ़ाते हैं? पिछले सालों का अनुभव यही बताता है कि हमारी रूचि निरंतर स्वच्छ बने रहने से ज्यादा स्वच्छता सर्वेक्षण में सिरमौर बने रहने की है. स्वच्छता उत्सव चार दिनों का ना होकर पूर्ण नागरिक बोध से हो तो यह स्वच्छता का नम्बरों का यह खेल एक दिन थम भी जाए तो हम गौरव से स्वयं महसूस कर सकें कि हम स्वच्छ प्रदेश के वासी हैं. लेकिन ऐसा करने वालों में एकमात्र शहर मध्यप्रदेश ही नहीं, देश में रहने वाला इंदौर है. पूर्ण नागरिक बोध के साथ इंदौर के नागरिक अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं. इस बात पर कुछ लोग एतराज कर सकते हैं कि ये क्या बात हुई लेकिन सच यही है.

इंदौर क्यों नागरिक बोध से भरा हुआ शहर है, यह जानना है तो उसकी राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पृष्ठभूमि को समझना होगा. राजनीति तो राजनीति होती है और सत्ता और शीर्ष पर बने रहने के लिए कुछ भी करेगा की नीति पर चलती है लेकिन आप जब इस पर विशेषण करेंगे तो पाएंगे कि इन सबके बावजूद इंदौर की राजनीति इससे परे है और तब जब अपने शहर इंदौर की बात हो. इंदौर की अस्मिता और प्रतिष्ठा को लेकर सभी निर्दलीय हो जाते हैं. स्वच्छता को लेकर, नागरिक सुविधाओं को लेकर भी इंदौर का यही चरित्र रहा है. कदाचित कभी, कहीं इंदौर की स्थानीय राजनीति फेल हुई तो नागरिक इसका जिम्मा उठा लेते हैं. स्वच्छता सर्वेक्षण का सिलसिला जबसे आरंभ हुआ है, बच्चा-बच्चा स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझता है. शहर के वाशिंदें हों या शहर में आए मेहमान, उन्हें भी इंदौर की स्वच्छता की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है. एक कागज़ का टुकड़ा भी गलती से सडक़ पर फेंक दिया तो ना जाने कहां से कोई आएगा और आपसे कहेगा- भिया यहां नहीं. और वो खुद उस कचरे को उठाकर डस्टबीन में डाल देगा. आमतौर पर निगम के स्वच्छता साथियों के बारे में राय है कि वे अपने काम के प्रति संजीदा नहीं होते हैं. इस सोच पर इंदौर के निगम के स्वच्छता साथी थप्पड़ मारते हैं. वे स्वच्छता की जिम्मेदारी नौकरी के भाव से नहीं करते हैं बल्कि वे नागरिक बोध से भरकर इस जिम्मेदारी को सम्हालते हैं, पूरा करते हैं। यह बात सबसे सुंदर और सीखने वाली दूसरे शहरों के लिए है. स्वच्छता में सिरमौर बनने के लिए पहले और अभी के अफसरों में होड़ मची होती है कि उनके कार्यकाल के कारण इंदौर को यह कामयाबी मिली लेकिन वे भूल जाते हैं कि जिस शहर में नागरिक बोध ना हो, वहाँ व्यवस्था भी फेल हो जाती है. सिस्टम का काम बजट और सुविधा मुहय्या कराना है और उसकी मॉनिटरिंग करना लेकिन कार्य व्यवहार तो नागरिक बोध से ही आता है. कलश को श्रेय देने के बजाय बुनियाद को प्रणाम किया जाए तो इंदौर हमेशा स्वच्छ शहर बना रहेगा.

इंदौर को बार-बार स्वच्छता में श्रेष्ठता क्यों हासिल होता है, इस पर आपत्ति हो सकती है जिसका जवाब ऊपर लिखा जा चुका है. अब बड़ा सवाल यह है कि इंदौर जैसा नागरिक बोध अन्य शहरों में क्यों नहीं है? क्यों वहाँ पर इस बात की चिंता नहीं की जाती है कि इंदौर की तासीर में हम क्यों ना घुलमिल जाएँ. दूसरे शहरों में भी शहर को स्वच्छ रहने के लिए बजट और सुविधा आवंटित होता है लेकिन वह रूटीन में निपटा दिया जाता है. स्वच्छता सर्वेक्षण के समय जरूर दबाव रहता है कि हमें पुरस्कार जीतना है, सबसे आगे रहना है तो जाहिर है कि कागजी कार्यवाही पूरा कर कुछ पुरस्कार और नंबर पा लेते हैं. तमाम विषयों को लेकर शहर-दर-शहर विमर्श, गोष्ठी और संवाद का सिलसिला चलता है लेकिन शायद ही कहीं स्वच्छता पर विमर्श को लेकर संवाद का कोई सिलसिला शुरू हुआ हो. आमतौर पर हमारी मानसिकता है कि यह काम सरकार का है, नगर निगम का है, वो करे. इस मानसिकता के साथ हम कागजी तौर पर स्वच्छ शहर का तमगा तो पहन सकते हैं लेकिन खुद से सच का सामना नहीं कर सकते हैं.

यह हाल देश के सभी शहरों और राजधानी का है. स्वच्छता में सिरमौर बनने की दौड़ में शामिल शहरों की पोल हर बार बारिश खोल देती है और इस बार भी यही हो रहा है. सडक़ें और नालियाँ बजबजा गई हैं. पॉलिथीन और दूसरे कचरों से पानी निकासी की व्यवस्था चरमरा गई है. कम से कम उन शहरों से यह सवाल किया जा सकता है कि आप तो स्वच्छता सर्वेक्षण में सिरमौर रहे हैं, फिर ये संकट क्यों उत्पन्न हुआ? मामला साफ है कि हम कागज़ीतौर पर तो स्वच्छ हो गए लेकिन नागरिकबोध के अभाव में शहर को जमीनीतौर पर स्वच्छ नहीं रख पाए. इंदौर भी इस आरोप से पूरी तरह बरी नहीं है। अगले वर्ष फिर हम स्वच्छता उत्सव मनाएंगे. जिन शहरों के खाते में नंबर आएंगे, उन्हें शाबासी देंगे औ जो पिछड़ जाएंगे, उनसे सवाल किए जाएंगे. यह सब प्रशासनिक प्रक्रिया है, चलती रहेगी. आपके घरों का कचरा उठाने के लिए आने वाली गाड़ी में बजने वाला गीत कहां गुम हो गया? स्वच्छता साथियों को मिलने वाली सुरक्षा में भी ढील है, आखिर इसका दोषी कौन? मूल प्रश्न यह है कि स्वच्छता के लिए देश के हर नागरिक में अपने शहर के प्रति नागरिक बोध का भाव हो. नियमित रूप से स्वच्छता पर चर्चा, संवाद, संगोष्ठी हो. अपने शहर की अस्मिता और प्रतिष्ठा के लिए नागरिक जागरूकता, नागरिक बोध सर्वप्रथम है ताकि स्वच्छता उत्सव चलता रहे.(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

संघर्ष ही सफलता का मार्ग है, दृढ़ संकल्पित होकर करें पढ़ाई- कैबिनेट मंत्री वर्मा

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के दीक्षारम्भ समारोह में हुए शामिल

महाविद्यालय को दी 3 करोड़ से अधिक के निर्माण कार्यों की सौगात

कान्फ्रेंस हॉल, स्मार्ट क्लास और कॉलेज परिसर में हाई मास्क लाइट स्थापित करने की घोषणा

बलौदाबाजार /मूक पत्रिका

राजस्व, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा सोमवार को शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार में नवप्रवेशी छात्राओं के दीक्षारम्भ समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय को 3.25 करोड़ रूपए से अधिक की सौगात दी जिसमें 52.70 लाख रूपए की लागत से अतिरिक्त कक्ष निर्माण का लोकार्पण एवं 272.81 लाख रूपए की लागत से बनने वाले छात्रावास भवन का शिलान्यास एवं भूमिपूजन शामिल है। इसके साथ ही छात्राओं की मांग पर एक हजार सीटों की क्षमता वाले कान्फ्रेंस हॉल, 2 स्मार्ट क्लास और महाविद्यालय परिसर में हाई मास्क लाइट की स्थापना करने की भी घोषणा की। मंत्री वर्मा ने नवप्रवेशी छात्राओं को रक्षासूत्र बांधकर उनका स्वागत किया। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छात्र जीवन में दृढ़ संकल्प और मेहनत से आपका भविष्य उज्जवल बनेगा। उन्होंने कहा इतिहास में उन्ही लोगों का नाम दर्ज किया जाता है जो कड़ा संघर्ष कर सफलता हासिल करते है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करना छत्तीसगढ़ सरकार का ध्येय है।हमारी मंशा है कि हमारी बेटियां खूब पढ़े और खूब आगे बढ़े। उन्होंने कहा इस महाविद्यालय की छात्राओं की सुविधा और बेहतरी के लिए सारे जरूरी कदम उठाएं जायेंगे। उन्होंने छात्राओं से अपील करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी अपना और जिले का नाम रोशन करें। प्राचार्य डॉ. वासु वर्मा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि महाविद्यालय के विकास के लिए जो सौंगाते मिली है वो यहां पढ़ने वाली बालिकाओं के लिए बहुत जरूरी थी। शासन -प्रशासन द्वारा महाविद्यालय की बेहतरी के लिए हर संभव सहयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, जिला अध्यक्ष आनंद यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

नगर पालिका सफाईकर्मी की धारदार हथियार से हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर नगर पालिका में कार्यरत एक सफाई कर्मचारी की बीते सोमवार शाम धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 23 वर्षीय शिव बाल्मिकी के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिव बाल्मिकी 28 जुलाई की शाम करीब 6 बजे घर से निकला था। एक घंटे बाद परिजन अमन बाल्मिकी को ऑटो चालक आवेश रज़ा से सूचना मिली कि ग्राम बरदेभांटा स्थित एक कार सैलून के समीप शिव पर हमला हुआ है। गंभीर रूप से घायल शिव को कोमलदेव अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।कांकेर थाना में एफआईआर क्रमांक 218/25 दर्ज करते हुए, भारतीय न्याय संहिता (ब्नस) की धारा 103 (1), 3 (5) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि वारदात पुरानी रंजिश के चलते की गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की तकनीकी सहायता, मुखबिर सूचना और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों आरोपियों की पहचान कर ली गई। पुलिस ने बरदेभांटा क्षेत्र में घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया सोमेश पाण्डे (23 वर्ष), दीपक साहू (25 वर्ष), एक विधि से संघर्षरत किशोर। पूछताछ में तीनों ने अपना अपराध स्वीकार किया, तथा उनके पास से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार भी बरामद किया गया। आरोपियों को 29 जुलाई को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।यह घटना न केवल स्थानीय लोगों बल्कि नगर पालिका कर्मचारियों में भी आक्रोश का विषय बन गई है। कांकेर पुलिस द्वारा मामले की गहन विवेचना जारी है, ताकि इस अपराध से जुड़े सभी पहलुओं का खुलासा किया जा सके।नगर में सूखे नशे का धंधा किसी खुली साजिश की तरह फल-फूल रहा है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि नशे के इस गोरखधंधे को आखिर किसका संरक्षण प्राप्त है? क्या यह प्रशासन की अनदेखी है या किसी रसूखदार की मिलीभगत ?शिव वाल्मीकि की हत्या सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि यह उस युवा पीढ़ी की चेतावनी है जो नशे की चपेट में आकर अपने भविष्य और समाज को दोनों को बर्बादी की ओर ले जा रही है। नक्सलवाद का अंत जरूरी था, लेकिन अब सूखे नशे के खिलाफ एक निर्णायक युद्ध की आवश्यकता है- वरना यह धीमा ज़हर पूरे बस्तर की नस्ल को खोखला कर देगा।

अनभिज्ञता एवं इलाज के अभाव कारण नहीं रुकनी चाहिए किसी बच्चें की धड़कन : डॉ. गौरव सिंह

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत जन्मजात हृदय रोग की जांच हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कलेक्टर केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में हुए शामिल

जिला प्रशासन एवं श्री सत्य साई हॉस्पिटल की पहल

रायपुर /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की एक और नवाचार पहल ÷प्रोजेक्ट धड़कन÷ के तहत केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 रायपुर में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कलेक्टर डॉ गौरव सिंह शामिल हुए। इसमें बच्चों की हृदय रोग से संबंधित जांच की गई। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की हम प्रोजेक्ट धड़कन के माध्यम बच्चों को होने वाले हृदय की समस्या से बचाना चाहते है, कई बार सही समय पर पता नहीं चलने पर समस्या का सामना करना पड़ता है 7 इस योजना के माध्यम से सभी बच्चो के हृदय की जांच की जाएगी और कुछ कमी पाए जाने पर सत्य साई हॉस्पिटल नवा रायपुर में ईलाज किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी और शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की प्रारंभिक पहचान और निशुल्क इलाज सुनिश्चित करना है। तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में परेशानी, स्तनपान के समय पसीना आना आदि लक्षणों के आधार पर बच्चों की जांच की जा रही है। कार्यक्रम में मौजूद परिजनों ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सत्य साई हॉस्पिटल से चेयरमैन सी. श्रीनिवास, जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य सुजीत सक्सेना, विद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे 7

माओवादियों के 4 स्मारक को जवानों ने किया ध्वस्त

शहीदी सप्ताह के दौरान बड़ी कार्रवाई

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले के जांगला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोटमेटा, इदेर और इंगुम के जंगलों में माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 4 माओवादी स्मारकों को ध्वस्त कर दिया।यह बड़ी कार्रवाई माओवादियों द्वारा मनाए जा रहे शहीदी सप्ताह के दौरान की गई।जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां पहले से सतर्क थीं। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार बिते दो दिनों से चल रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत थाना जांगला, थाना भैरमगढ़ एवं सीआरपीएफ 214 बटालियन की संयुक्त टीमों ने सघन तलाशी अभियान चलाया था। इस अभियान के दौरान इंद्रावती नदी के किनारे स्थित तीन माओवादी स्मारकों और कोटमेटा गांव के भीतर बनाए गए एक अन्य स्मारक को ध्वस्त किया गया।स्मारक स्थल पर माओवादियों के द्वारा हिंसात्मक विचारों की अभिव्यक्ति के लिए निर्मित मंच एवं सभास्थल को भी नष्ट किया गया।जिले में माओवादियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही लगातार जारी है।

प्रदेश अध्यक्ष किरण देव के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग सम्मलेन सम्पन्न

रायपुर /मूक पत्रिका

संकल्प से सिद्धि, अमृतकाल, सेवा, सुशासन गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण एवं एक पेड़ मां के नाम जैसे विषयों को लेकर बीते मंगलवार को बस्तर संभाग के कांकेर में आयोजित ÷संभाग स्तरीय पिछड़ा वर्ग सम्मेलन÷ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष देव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की, जिससे समाज का हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी की दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता देश को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इस कार्यक्रम में संगठन महामंत्री पवन साय कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी , पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा चंदलाल साहू, विधायकगण समेत अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

गमुख्यमंत्री साय से केरल एवं ओडिशा के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

मुख्यमंत्री ने कहा ड्ड छत्तीसगढ़ एक शांतिप्रिय प्रदेश है, कानून अपना कार्य कर रहा है

रायपुर /मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से बीते मंगलवार को मंत्रालय, महानदी भवन में केरल एवं ओडिशा के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा सांसद चलाकुडी से बेनी बेहनन, कोट्टायम से के. फ्रांसिस जॉर्ज, कोल्लम से एन. के. प्रेमचंद्रन, कोरापुट से सप्तगिरि उल्का, और केरल विधानसभा सदस्य श्रीमती रोजी एम. जॉन शामिल थे।प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से राज्य में हाल ही में चर्चा में आए धर्मांतरण प्रकरण की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक शांतिप्रिय और समरसता में विश्वास रखने वाला प्रदेश है, जहाँ सभी धर्मों के लोग सौहार्दपूर्वक रहते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि मामले की जांच न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। कानून स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की बेटियाँ और नागरिक सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करें।

बकावंड के जैतगिरी गांव में खंडहर बन चुका आंगनबाड़ी केंद्र, बच्चों की जान पर बन आई – विभागीय अनदेखी से नाराज़ ग्रामीण

जगदलपुर/बकावंड /मूक पत्रिका

बकावंड विकासखंड के ग्राम पंचायत जैतगिरी में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 04 इन दिनों बदहाल स्थिति के कारण चर्चा का विषय बना हुआ इस का जिम्मेदार कौन है सबसे बड़ा सवाल है। जिस केंद्र में बच्चों की देखभाल और पोषण की व्यवस्था होनी चाहिए, वह अब खुद एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। भवन की दीवारों में गहरी दरारें, टपकती छत से पानी और जर्जर हालत ने बच्चों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। स्थानीय जानकारी के अनुसार, केंद्र में प्रतिदिन औसतन 15 बच्चे आते हैं, लेकिन खस्ताहाल भवन के चलते अब अभिभावक बच्चों को भेजने से कतराने लगे हैं। हर दिन उपस्थिति घट रही है और बच्चों में डर भैय का माहौल का बना हुआ है।एक साल से खंडहर भवन में चल रहा संचालन हो रहा है आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि बीते एक वर्ष से यह केंद्र इसी खंडहरनुमा भवन में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷हमने कई बार अपने सुपरवाइजर के माध्यम से विभागीय अधिकारियों को इस गंभीर स्थिति से अवगत कराया है। यहां तक कि सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान भी शिकायत दर्ज की गई थी, लेकिन अब तक किसी भी जनप्रतिनिधि इस और नहीं ध्यान नहीं है÷÷बच्चों की सुरक्षा खतरे में, बड़ी घटना हो सकती है÷स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि अगर जल्द कोई समाधान नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। महिला एवं बाल विकास विभाग की लापरवाही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। लोगों का कहना है कि बच्चों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है।परियोजना अधिकारी ने कहा - ÷आपसे जानकारी मिली, निरीक्षण करेंगे÷जब इस मामले को लेकर संवाददाता ने परियोजना अधिकारी, करपावंड से संपर्क किया तो उन्होंने कहा, ÷आपके माध्यम से हमें पहली बार जानकारी मिल रही है। हम जल्द ही निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।÷एक ओर सरकार बच्चों के पोषण और शिक्षा के लिए करोड़ों खर्च कर रही है, दूसरी ओर ज़मीनी हकीकत ऐसी है जहाँ बच्चे खुद खतरे में हैं। अब देखना यह होगा कि विभागीय अमला कब जागेगा और जैतगिरी जैसे दूरस्थ गांव के मासूम बच्चों को सुरक्षित और बेहतर आंगनबाड़ी केंद्र कब मिलेगा।

थिएटर के बाद अब यूट्यूब पर चमके 'सितारे ज़मीन पर', आमिर खान ने किया रिलीज!

आमिर खान ने रचा इतिहास, ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' को यूट्यूब पर किया रिलीज

जित/पूनम जग्गी मुंबई : /मूक पत्रिका

एक अनोखे और पहली बार लिए गए फैसले में आमिर खान ने अपनी नई फिल्म को थिएटर में रिलीज़ होने के तुरंत बाद यूट्यूब मूवीज-ऑन-डिमांड पर रिलीज़ करने का फैसला किया है, ताकि ये फिल्म दुनिया के हर कोने तक सस्ते और आसान तरीके से पहुंच सके। यह साहसिक फैसला फिल्म रिलीज़ के तरीके को पूरी दुनिया में एक नया दिशा देता है। इस तरह से सितारे ज़मीन पर सिर्फ यूट्यूब पर ही देखने को मिलेगी और किसी भी दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ नहीं की जाएगी। आमिर खान ने आज ऐलान किया कि उनकी सुपरहिट थिएट्रिकल फिल्म सितारे ज़मीन पर अब 1 अगस्त 2025 से यूट्यूब पर पूरी दुनिया में रिलीज़ की जाएगी। यह एक साहसी और नया कदम है, जिसमें 2025 की सबसे कामयाब फिल्मों में से एक को सीधे लोगों के घरों तक पहुँचाया जाएगा। इस दिल को छू लेने वाली फैमिली ड्रामा में आमिर खान, जेनेलिया देशमुख के साथ-साथ 10 इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी वाले कलाकार भी शामिल हैं। भारत में यह फिल्म ?100 में मिलेगी, जबकि अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इंडोनेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और स्पेन समेत 38 देशों में यह लोकल प्राइसिंग के साथ उपलब्ध होगी। आमिर खान की सितारे ज़मीन पर, जो 2007 की क्लासिक तारे ज़मीन पर की स्पिरिचुअल सक्सेसर मानी जा रही है, प्यार, हंसी और समावेशिता का जश्न मनाती है। इस फिल्म ने लोगों के दिलों को गहराई से छू लिया है और अब तक दुनिया भर में ?250 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। अब दर्शक इसे एक छोटी सी फीस देकर यूट्यूब पर रेंट कर सकते हैं, जिससे हर घर और मोबाइल स्क्रीन बन जाएगा जनता का थिएटर। इस फैसले से प्रीमियम सिनेमा अब और ज्यादा लोगों के लिए आसान हो गया है, चाहे वो अपने घर में हों या सफर में, बस इंटरनेट कनेक्शन चाहिए। जिन दर्शकों ने इसे सिनेमाघर में मिस कर दिया या दोबारा देखना चाहते हैं, उनके लिए यह एक बढ़िया और आसान विकल्प है। भारत ही नहीं, दुनियाभर के नए दर्शकों तक पहुंचने के लिए सितारे ज़मीन पर में प्रमुख भाषाओं में सबटाइटल्स और डबिंग भी दी जाएगी।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर शासकीय पी.जी. महाविद्यालय बेमेतरा में हुआ विशेष कार्यक्रम, विधायक दीपेश साहू और इसरो वैज्ञानिकों ने बच्चों को दी अंतरिक्ष विज्ञान की प्रेरणा

बेमेतरा के बच्चों के साथ एक अविस्मरणीय दिन-इसरो वैज्ञानिकों से प्रेरणादायक मुलाकात

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मिशन मून के तहत शासकीय पं. जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बेमेतरा में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की टीम उपस्थित रही।कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात रंगोली व पोस्टर प्रतियोगिता का अवलोकन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अंतरिक्ष विषयों पर आधारित आकर्षक कृतियाँ प्रस्तुत कीं।विधायक दीपेश साहू ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा आज का दिन हम सभी बेमेतरा के बच्चों के लिए, और मेरे लिए भी, गर्व एवं प्रेरणा से भरा रहा। मुझे इसरो के वैज्ञानिकों के साथ संवाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ – यह मेरे जीवन के सबसे गौरवपूर्ण पलों में से एक है। आज हमने जाना कि इसरो क्या है, आकाशगंगा कैसे कार्य करती है, और चंद्रयान की सफल लैंडिंग कैसे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है।उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप चाहे गांव से हों या शहर से – मेहनत, लगन और समर्पण के बल पर आप भी एक दिन इसरो जैसे संगठनों का हिस्सा बन सकते हैं। अपने सपनों पर विश्वास रखें, सकारात्मक सोच के साथ निरंतर आगे बढ़ें। विधायक साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सुधारों की भी सराहना की, जिससे गांव-शहर के हर बच्चे को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। कार्यक्रम में इसरो के वैज्ञानिकों की विशेष टीम ने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, प्रक्षेपास्त्र तकनीक, चंद्रयान, गूगल मैप, रॉकेट लॉन्चर इत्यादि विषयों पर अद्भुत जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. आनंद अरुण, डॉ. जुगल किशोर मनी (वैज्ञानिक-स्न्न), अरुण एस. सूर्यवंशी (वैज्ञानिक-श्च), पी. कपीश्वर (वैज्ञानिक-श्च1), डॉ. अमित दुबे (वैज्ञानिक-ष्ठ), श्री अखिलेश त्रिपाठी (वैज्ञानिक-ष्ठ) ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देकर उन्हें मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर आयोजित रंगोली व पोस्टर प्रतियोगिता में स्कूल एवं कॉलेज स्तर के सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाणपत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता में प्रमुख भूमिका निभाई महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. वीणा त्रिपाठी, डी.आर. साहू, डॉ. डी.डी. द्विवेदी, डॉ. संध्या बघेल, जितेन्द्र बारले, दुर्गा प्रसाद जंघेल, सुश्री श्वेता साहू, बी.आर. साहू, डॉ. राजकुमार त्रिपाठी, श्रीमती ज्योति गेंद्रे, डॉ. पायल गोस्वामी, अविनाश अंगलावे, आशुतोष शुक्ला, एवं समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ ने। कार्यक्रम जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं की भागीदारी ने इस आयोजन को ज्ञान और प्रेरणा का उत्सव बना दिया।

डीएव्ही परचेली के छात्र समस्या लेकर कलेक्टर से मिलने पहुंचे तो जिला शिक्षा अधिकारी ने धमकाया

कहा कलेक्टर को शिकायत करोगे तो स्कूल से नाम कटवा दुंगा, दक्षिण बस्तर में लगातार बिगड़ी जा रही छात्रावाओं की व्यवस्था, छात्र सड़कों पर उतरने को हो रहे मजबूर, प्रशासन मामले को दबाने में जुटा

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले में छात्राओं का आवासीय विद्यालय हो या छात्रों का बालक आश्रम हर जगह भारी अव्यवस्था फैली हुई है। बदहाली ऐसी कि छात्रों को कहीं पढ़ाई छोड़ आंदोलन के लिए सड़कों पर उतरकर हक मांगने आवाज बुलंद करना पड़ रहा है तो कहीं छात्र कलेक्टर के बंगले, जिला शिक्षा अधिकारी व सहायक आयुकत के कार्यालय पहुंचकर शिकायत कर अपना अधिकार मांगते दिख रहे हैं। जिला मुख्यालय में छात्रों का प्रदर्शन आम हो चला है। वहीं दुसरी ओर प्रशासन कि सुनने को तैयार नहीं। उल्टा छात्रों को ही धमकाया जा रहा है कहा जा रहा है कि ज्यादा नेतागिरी करोगे तो स्कूल आश्रम से निकाल दिए जाओगे। दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के आवासीय विद्यालयों में रहने वाले छात्रों की समस्याओं का फेहरिस्त काफी लंबा है। कारली के छु लो आसमान के छात्रों के हड़ताल से शुरू हुआ आदोलन अब दंतेवाड़ा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय से होता हुआ कटेकल्याण ब्लाक के परचेली डीएव्ही आवासीय विद्यालय तक जा पहुंचा है। आश्रम कहीं का भी हो यहां रहकर पढने वाले आदिवासी छात्र छात्राओं की समस्या बहुत ज्यादा है। आश्रम की अव्यवस्था को लेकर ताजा मामला कटेकल्याण के परचेली डीएव्ही स्कूल से सामने आया है। सोमवार का डीएव्ही स्कूल परचेली में पढने वाले 40 से 50 छात्र 40 किमी का सफर तय कर दोपहर 1 बजे जिला

मुख्यालय पहुंचे थे। ये सभी छात्र स्कूली यूनिफार्म में थे। छात्रों के हाथों में एक शिकायत पत्र भी था। छात्र कलेक्टर से मिलना चाहते थे। कलेक्टर से मिलने से पहले सभी छात्र जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में गए और डीईओ अंबास्ता से मिलकर उन्हें अपनी समस्या बताने लगे। इसी बीच डीईओ अंबास्ता ने छात्रो् का यूं अचानक उनके दफ्तर में आ धमकना नागवार गुजरा। छात्रों की समस्याओं को सुनकर उसे दुर करने का आश्वासन देने की बजाए अंबास्ता छात्रों को धमकाने लग गए। उन्होने धमकी भरे लहजे में छात्रों को कहा कि कलेक्टर से शिकायत करने जाओगे तो तुम सबका नाम स्कूल से काट दुंगा। डीईओ की धमकी से भी छात्र नहीं डरे और और सभी छात्र कलेक्टर कुणाल दुदावत से मिलने उनके कार्यालय चले गए। छात्रों ने कलेक्टर से मिलकर उन्हें अपनी लिखित शिकायत पत्र दिया। बच्चों ने अपनी शिकायत पत्र में लिखा है कि वे 2022 से लगातार आश्रम में व्याप्त अव्यवस्था के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करा रहे हैं मगर उनकी समस्या का समाधान आज 2025 तक भी नहीं किया गया है। छात्रों के मुताबिक आश्रम में बारिश का पानी रिसता है, अधीक्षक छात्रों से अच्छा व्यवहार नहीं करते। अधीक्षक रात में आश्रम से गायब रहते हैं। भोजन नाशता का भी गुणवत्ता ठीक नहीं होता जिससे कई छात्र बीमार हो रहे हैं। शौचालय भी पर्याप्त नहीं होने से छात्रों को दिक्कत होती है। अधीक्षक को बदलने समेत कई अन्य मांग छात्रों ने कलेक्टर से की। ईधर छात्रों से मिलने जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा भी कलेक्ट्रेट पहुंची थी। छात्रों की बातों को सुनने के बाद तुलिका ने जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान करवाने छात्रों को भरोसा दिया। तुलिका कर्मा ने कहा कि आश्रमों में रहने वाले छात्र छात्राओं की समस्या लगातार सामने आ रही है। जिम्मेदार अधिकारी छात्रों की समस्या को दूर करना छोड़ छात्रों को ही डराने धमकाने में लगे हैं। ऐसे में हम एक अच्छी शिक्षा प्रणाली को कैसे लागू कर पाएंगे। शिक्षा ना हर छात्र का अधिकार है। सरकारें करोड़ों रूपए स्कूल एवं छात्रावासों की बेहतरी के लिए दे रही है बावजूद आश्रमों में अगर अव्यवस्था है छात्र परेशान हैं तो इसके लिए सीधे तौर पर प्रशासन ही जिम्मेदार है। प्रशासन अपना काम तो ठीक से कर नहीं रहा उल्टे छात्रों के दुख में खड़े होने वाले जन प्रतिनिधियो पर ही दोषारोपण करने का काम कर रहा है। तुलिका कर्मा ने दो टूक कहा कि आदिवासी बच्चों के हित में अगर कोताही बंद नहीं हुई। छात्रों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो हमारी पार्टी छात्रों के हित में उनके साथ खड़े होकर उन्हें न्याय दिलाने, नैतिक हक और अधिकार दिलाने का काम करेगी। आवश्यक हुआ तो शासन-प्रशासन के खिलाफ सड़कों पर भी उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

कलेक्टर द्वारा ली गई साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

5 से 7 वर्ष तथा 15 से 17 वर्ष के स्कूली बच्चों का मेंडेटरी बायोमैट्रिक आधार अपडेट कराने कलेक्टर द्वारा दिए गए दिशा निर्देश

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा बीते मंगलवार को कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली गई। बैठक में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की समीक्षा, के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि 5 से 7 वर्ष तथा 15 से 17 वर्ष के स्कूली बच्चों का मेंडेटरी बायोमेट्रिक आधार अपडेट कराने के लिए शिविर का आयोजन कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान जानकारी दी गई कि जिले में अनुमानित 3 लाख 18 हजार जनसंख्या के विरूद्ध 3 लाख 11 हजार आधार पंजीयन और अपडेट हो चुके है। इसके अलावा इण्डियन पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्यम से 0 से 5 वर्षो के बच्चों का नया आधार पंजीयन शिविर के माध्यम से किए जाने कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया है।

इसके साथ ही बैठक में बस परिचालन हेतु चयनित नवीन मार्गो के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि स्वीकृत मार्गो में रोड मरम्मत के प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत किया जाए उल्लेखनीय है कि जिला स्तरीय समिति द्वारा चयनित नवीन मार्ग के अन्तर्गत दंतेवाड़ा से भांसी व्हाया (पुरतरई, तुड़पारास, कुपेर, कमालूर, झिरका, बासनपुर, धुरली) दंतेवाड़ा से मुण्डेर व्हाया(भोगाम, फरसपाल, आलनार, कुण्डेनार) दंतेवाड़ा से बारसूर व्हाया (झोड़ियावाड़म, बिंजाम, सियानार, समलूर, बड़ेसुरोखी, बड़ेतुमनार, छोटेतुमनार, गुटोली, मोफ्लनार, छिंदनार, मुचनार) मारजूम से कटेकल्याण व्हाया (मारजूम, परचेली, चिकपाल) कुआकोण्डा से बचेली व्हाया (नकुलनार, श्यामगिरी, खुटेपाल, दुगेली, पीनाचेली) कुआकोण्डा से बुरगुम व्हाया (कुआकोण्डा, गोंगपाल, माहराहाउरनार, टिकनपाल, कलेपाल, चोलनार, पेरपा) स्वीकृत है।

इसके साथ ही बैठक में समस्त वन भूमियों का चिन्हांकन कर समेकित अभिलेख तैयार करने, गीदम जनपद से बांगाबाड़ी से बायपास मार्ग में आने वाले वृक्षों के दोहन हेतु विदोहन योजना अनुसार राशि जमा करने, बारसूर और ढोलकल में पर्यटक रिसॉर्ट का निर्माण, ग्राम पंचायत परपा में प्राथमिक शाला भवन जर्जर तथा शाला भवन में पानी रिसाव, जिले में स्कूल छात्र छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र बनाने का कार्य की अद्यतन प्रगति, नक्सल पीड़ित परिवारों को योजनाओं के तहत संतृप्तिकरण, नालंदा परिसर निर्माण कार्य हेतु भूमि चिन्हांकन, ग्राम पंचायत पोटाली में डिजिटल फार्मर आईडी पंजीयन नहीं होने के संबंध, छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती दिवस के आयोजन के संदर्भ में कार्यालयों की साफ सफाई एवं निष्प्रयोज्य सामग्रियों के संबंध में भी कलेक्टर द्वारा दिशा निर्देश देते हुए कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ई - हियरिंग का शुभारंभ शीघ्र न्याय की दिशा में मज़बूत क़दम

कांकेर /मूक पत्रिका

ज़िला मुख्यालय कांकेर स्थित ज़िला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की सुविधा का उन्नयन करते हुए न्याय विभाग द्वारा अब ई-हियरिंग सुविधा का शुभारंभ कर दिया गया है। मंगलवार 29 जुलाई को मध्यान्ह 2:00 बजे छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया द्वारा इस विशिष्ट ई-हियरिंग सेवा का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर ज़िला उपभोक्ताआयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल, सदस्य डाकेश्वर सोनी, अधिवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र दवे सहित ज़िले भर के अधिवक्ता एवं न्यायिक कर्मचारी उपस्थित थे।

शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि ई-हियरिंग प्रारंभ हो जाने से उन उपभोक्ताओं को बहुत बड़ी राहत मिलेगी जो वयोवृद्ध, बीमार, असमर्थ हैं अथवा ज़िला मुख्यालय से दूर रहने के कारण बार-बार आने-जाने में अत्यधिक आर्थिक भार का सामना करते हैं। ई-हियरिंग के माध्यम से समय तथा धन दोनों की बचत होगी। यह शीघ्र न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण क़दम है, जिसका लाभ पूरे काँकेर ज़िले को मिलेगा।

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन करते हुए ज़िला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल ने कहा कि इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया, सदस्य प्रमोद वर्मा (ज़िला रायपुर), रजिस्ट्रार श्रीनिवास तिवारी, संयुक्त रजिस्ट्रार मोना चौहान, लेखा अधिकारी मधुलिका यादव, अध्यक्ष डाकेश्वर शर्मा एवं सदस्य निरुपमा प्रधान (राज्य उपभोक्ता आयोग), ज़िला उपभोक्ता आयोग रायपुर के अनिल अग्निहोत्री, अंबिकापुर के राकेश पांडे, काँकेर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष नरेंद्र दवे, सचिव सुनील यादव सहित सभी उपस्थित अधिवक्ता, ज़िला खाद्य अधिकारी जे. जे. नायक, खाद्य निरीक्षक उमेश सिन्हा, मीडिया प्रतिनिधि, एवं आयोग के समस्त कर्मचारीगण का मैं हृदय से अभिनंदन करती हूं तथा उनके प्रति आभार प्रकट करती हूं।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने ली छात्रावास अधीक्षकों की बैठक, छात्र-छात्राओं की सुरक्षा व स्वास्थ्य पर दिया विशेष जोर

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

बीते मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा जिले के शिक्षा विभाग से संबंधित डीईओ, डीएमसी, बीईओ, एबीओ, बीआरसी, पोटाकेबिन अधीक्षक, कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, डीएवी आस्था, एवं छू लो आसमान अधीक्षकों की महत्वपूर्ण बैठक ली गई। बैठक में कलेक्टर ने छात्रों की सुरक्षा, रहने खाने सहित अन्य सुविधाओं जैसे बिस्तर, गद्दे, मच्छरदानियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी उपायों को सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इस परिप्रेक्ष्य में कोताही बरतने पर निश्चित रूप से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। बैठक में कलेक्टर ने अधीक्षकों से छात्रावासों संबंधित अन्य मूलभूत आवश्यकताओं के बारे में चर्चा करते हुए उन्हें स्वीकृत करते हुए कहा कि सभी आवासीय संस्थाओं में भोजन व्यवस्था के तहत मेन्यू चार्ट का अनिवार्य रूप से पालन हो और सभी संस्थाओं के भोजनालय और भोजन कक्ष में मेन्यू चार्ट चस्पा होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी अधीक्षक अधीक्षिका के आवासीय संस्थाओं में ही अनिवार्य रूप से निवास करेंगे और किसी भी अधीक्षक द्वारा संस्था छोड़ने अथवा अवकाश में जाने से पूर्व डीओ, डीएमसी को सूचित करने के साथ ही वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करके ही संस्था छोड़ेंगे। इस संबंध में जिला कार्यालय की टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान छात्रावासों अधीक्षकों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाकर कड़ी कार्यवाही की जावेगी। इसके साथ ही उन्होंने अधीक्षकों बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने संबंधी प्रक्रिया को सुचारू रूप से पालन करने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने आगे कहा कि प्रत्येक छात्रावास में स्वीकृत सीटों के अनुसार छात्रों की दर्ज संख्या की निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने संस्था परिसर की समग्र साफ-सफाई, भवन व शौचालयों की मरम्मत एवं सीसीटीवी कैमरों की उपयुक्त व्यवस्था को भी अनिवार्य बताया।

छात्रों की सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी लापरवाही पर होगी कड़ी कार्यवाही

संस्था में मेन्यू चार्ट का अनिवार्य रूप से पालन तथा अधीक्षक अधीक्षिका के संस्थाओं में ही निवास करने हेतु कलेक्टर ने दिए स्पष्ट निर्देश

मच्छर जनित रोगों की रोकथाम पर विशेष बल- कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी छात्रावासों की खिड़कियों में अनिवार्य रूप से मच्छर जालियां लगाई जाए तथा समय-समय पर मलेरिया व डेंगू जैसे रोगों से बचाव हेतु छिड़काव कराया जाए। साथ ही, छात्र-छात्राओं को मच्छरदानी का सतत उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए।

स्वास्थ्य परीक्षण व बालिका सुरक्षा पर विशेष ध्यान- बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से कराए जाएं एवं किसी भी मौसमी बीमारी के लक्षण दिखने पर शीघ्र उपचार उपलब्ध कराया जाए। बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, बालिका छात्रावासों में नगर सैनिक की तैनाती के अलावा अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

आवासीय अधीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य- कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि अधीक्षकों को संस्था परिसर में ही निवास करना अनिवार्य होगा, जिससे आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। परिसर की नियमित सफाई और छात्रों को मेनू अनुसार पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

वन महोत्सवः*वन विभाग द्वारा जिले में मनाया जा रहा वन महोत्सव, बांट रहे पौधे

जागरूकता ही बचाव- शकुंतला

मूक पत्रिका/दंतेवाड़ा- दंतेवाड़ा वनमंडल अंतर्गत डीएफओ डॉक्टर जाधव सागर के मार्गदर्शन में जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में वन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. आयोजन के दौरान वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं वन प्रबंधन समिति सदस्यों द्वारा वनो के महत्व के प्रति जागरूक करने अपने-अपने विचार रक्खे. इसी कड़ी में बीते मंगलवार को गीदम परिक्षेत्र के कासोली बालक आश्रम में वन महोत्सव का आयोजन किया गया. आयोजन के दौरान बालक आश्रम कसोली में बच्चों, जन प्रतिनिधियों एवं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी द्वारा 30 से अधिक पौधे रोपे गए. साथ ही ग्रामीणों को एक पेड़ मां के नाम योजना के तहत 100 से अधिक पौधे वितरण किए गए. कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष शकुंतला भास्कर, कार्यक्रम अध्यक्ष- दिनेश कौशल (जनपद उपाध्यक्ष), भाजपा मंडल अध्यक्ष- सुधराम भास्कर, शैलेश अटामी(सरपंच-कासोली), दिलीप नेताम (सरपंच कासोली-2) जिला राम कोर्राम (जनपद सदस्य), वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे.

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल जनपद अध्यक्ष शकुंतला भास्कर ने कहा कि वनों से होने वाले लाभ के प्रति जागरूकता ही वनों के बचाव का मुख्य कारण होगा. श्रीमति भास्कर ने ग्रामीणों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनका देखभाल करने को कहा. उन्होंने कहा कि बस्तर के ग्रामीण वर्षो से वृक्षों को देव तुल्य मानते आए है. वृक्ष ही है जिन्होंने बस्तर को खुशहाल रक्खा है. अभी देखा जा रहा है कि खेत के लिए लगातार ग्रामीणों द्वारा वृक्ष काटे जा रहे हैं. जो कि बिल्कुल ग़लत है. श्रीमति भास्कर ने कहा अगर हम वृक्षों का अच्छे से देखभाल करें तो खेत से भी ज्यादा फायदा हम वृक्षों द्वारा मिलने वाले वनोपजो से कमा सकते हैं. इन वनोपजो का उपयोग हमारे पूर्वज आदिकाल से करते आए हैं. वहीं अन्य जन प्रतिनिधियों ने भी कहा कि वन महोत्सव भारत में एक महत्वपूर्ण उत्सव है जो पर्यावरण संरक्षण और वनों के महत्व को उजागर करता है। यह एक ऐसा उत्सव है जो न केवल पर्यावरण को लाभ पहुंचाता है, बल्कि लोगों को प्रकृति के साथ जुड़ने और एक स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है।

कला जत्था, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टीकाकरण कराने हेतु जागरूकता अभियान

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

ग्राम मेटापाल में ग्रामीणों को टीकाकरण के फायदों की दी गई जानकारी

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा कला जत्था, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टीकाकरण हेतु ग्राम पंचायतों में अभियान चलाया जा रहा हैं इस क्रम में ग्राम मेटापाल के बटामपारा, राउतपारा और मांझारीपारा में लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करने के तहत कला जत्था एवं नुक्कड़ नाटक दल के माध्यम से ग्रामीणों को टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय भाषा में प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटक और गीतों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

इस अभियान के दौरान अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि नियमित टीकाकरण बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके माध्यम से कई घातक बीमारियों से बचाव संभव है। इसके उपरांत जिले में चलाए जा रहे मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान एवं डायरिया की जानकारी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया गया। ग्राम मेटापाल के ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि यह अभियान आने वाले दिनों में अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी चलाया जाएगा ताकि हर व्यक्ति तक टीकाकरण की सही जानकारी पहुंचे और कोई भी इससे वंचित न रहे।

स्वच्छ दंतेवाड़ा स्वस्थ दंतेवाड़ा

स्वच्छता की दौड़ में दंतेवाड़ा ने मारी लंबी छलांग, देश भर में हासिल किया 7वां स्थान

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा अब स्वच्छता की दृष्टि से भी देश के अग्रणी नगरों में शामिल हो गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के परिणामों में दंतेवाड़ा नगर पालिका परिषद ने 20 हजार से कम जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में देश भर में सातवां स्थान हासिल कर लिया है। यह न केवल जिले के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। वर्ष 2023 में 427 वें स्थान पर रहने वाला दंतेवाड़ा इस वर्ष 420 से अधिक स्थानों की लंबी छलांग लगाकर शीर्ष 10 में शामिल हो गया है। इस राष्ट्रीय सफलता के साथ दंतेवाड़ा नगर पालिका को गार्बेज फ्री सिटी (जीएफसी) के अंतर्गत 1-स्टार रेटिंग और ओडीएफ प्लस (खुले में शौच से मुक्त प्लस) श्रेणी में भी मान्यता प्राप्त हुई है। इन उपलब्धियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब दंतेवाड़ा केवल सुरक्षा और विकास की नहीं, बल्कि स्वच्छता की भी एक प्रेरणादायक पहचान बन चुका है।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता ने कहा कि दंतेवाड़ा की माटी की महक और माँ दंतेश्वरी की कृपा से हो रहा है और उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक की आदत और जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने नगर के सभी वर्गों बच्चों, महिलाओं, युवाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की कि वे इस स्वच्छता संस्कृति को अपने रोजमर्रा के जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि गीला और सूखा कचरा अलग करना, प्लास्टिक का सीमित प्रयोग और सार्वजनिक स्थानों

की स्वच्छता बनाए रखना अब हर दंतेवाड़ावासी की नैतिक जिम्मेदारी है। इसी क्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष कैलाश मिश्रा ने भी नगरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता कोई एक दिन का परिणाम नहीं, बल्कि सतत जनसहयोग और सामूहिक प्रयासों की मिसाल है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हम स्वच्छता से आगे बढ़कर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में भी नए प्रतिमान स्थापित करें।

इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने स्वच्छता सर्वेक्षण में जिले को मिली उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रशासन और जनभागीदारी के बीच बने मजबूत तालमेल का परिणाम है। उन्होंने कहा, ÷स्वच्छता जैसे विषय पर जब जनसामान्य जागरूक होता है और स्वयं को सहभागी मानता है, तब प्रशासन के प्रयासों को असली दिशा मिलती है। दंतेवाड़ा की यह सफलता संकल्प, समर्पण और सतत प्रयासों का प्रतीक है। अब हमें इस रैंकिंग को बनाए रखने के साथ और बेहतर करने की दिशा में निरंतर काम करते रहना है।÷

मुख्य नगरपालिका अधिकारी वी.के.एस. पालदास ने भी इस गौरवपूर्ण क्षण पर नगर वासियों को बधाई दी और कहा कि नगर पालिका की टीम, स्वच्छता दीदियों की मेहनत, कर्मचारियों की निष्ठा और कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा, ÷यह सिर्फएक रैंक नहीं, बल्कि लोगों की सोच और जीवनशैली में आया एक सकारात्मक बदलाव है।÷ यह उपलब्धि उन जिलों के लिए एक प्रेरणा बनकर सामने आई है, जो छोटे संसाधनों और सीमित जनसंख्या के बावजूद बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। यह सफलता बताती है कि जब प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहभागिता एक साथ चलें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

नाग पंचमी पर नागफनी मंदिर सहित देवालयों में पूजे गए नाग देवता

नाग देवता का किया गया दुग्धाअभिषेक

नाग पंचमी में अखिल विश्व गायत्री परिवार दिव्या जीवन संघ द्वारा नागफनी मंदिर में नाग पंचमी पर्व पर दिया गया स्वामी विशुध्दानंद स्वामी ब्रह्मानंद के द्वारा दिव्य संदेश

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के एकमात्र नाग मंदिर नागफनी में स्थित है जहां पर नाग पंचमी के दिन प्रतिवर्ष मेले का आयोजन होता है। जो दंतेवाड़ा जिले से 30 किलोमीटर दूर बारसूर रोड पर स्थित है। 36 गांव के लोग इस विशाल मेले में हिस्सा लेते हैं सभी अपने साथ देवी देवता का प्रतीक चिन्ह लेकर आते हैं नाग मंदिर की पूजा गांव का अटामी परिवार करता है मंदिर के प्रमुख पुजारी प्रमोद अटामी बताते हैं कि उनके उपनाम अटामी का आशय लंबी पुछ वाला या लंबा जीव उसे है अर्थात सर्प ही अटामी है। अटामी परिवार नागफनी गांव के अलावा दर्जनों गांव में निवास करते हैं, इस क्षेत्र में इससे जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं नागफनी गांव के नाग मंदिर में पूजा अर्चना करने और मेला देखने दूर-दूर से लोग आते हैं गांव का नाम नागफनी होने की वजह से यहां रहने वाले अधिकांश लोगों का सरनेम भी नाग ही है पूरे दंतेवाड़ा जिले में सिर्फ नागफनी मंदिर है वह भी नाग देवता का मंदिर है।नाग पंचमी के पावन अवसर पर आज नगर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भी रही शिव भक्तों ने दुग्धाअभिषेक कर नाग देवता की पूजा अर्चना की हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक हिंदू पंचांग की पंचमी तिथि के स्वामी शेषनाग हैं वहीं पौराणिक मान्यता में नाग जाति की उत्पत्ति शिव कृपा से ही मानी गई है यही कारण है कि शिव भक्ति के कल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर नाग पुजवा नाग देवता के दर्शन बहुत शुभ मानी गई है मंगलवार को नाग पंचमी का पूर्वांचल में भक्ति भाव के साथ मनाया गया धार्मिक मान्यता में मान्यताओं में नाग पूजा दरिद्रता और कल को दूर कर खुशहाली लाती है। वैवाहिक, संतान , सुख और कामनाएं पूरी होती है, धार्मिक त्योहारों में नाग पंचमी का विशेष महत्व होता है इस अवसर पर जगह-जगह भक्तगण नाग देवता की पूजा कर उसे दूध पिलाते हैं । पुरानौ के मुताबिक नाग पंचमी के दिन घर के दरवाजे के दोनों तरफ नाग की मूर्ति बनाकर उसकी पूजा करने से नाराज प्रसन्न होते हैं और भक्तों को मनचाहा फल की प्राप्ति होती है। इस दिन भक्त अपने घरों में गेहूं के आटे से निर्मित नाग नागिन का चित्र बनाकर पूजा करते हैं । नाग पंचमी पर सपेरो को बुलाकर अपने घरों में नाग देवता को दूध भी पिलाई जाती है और इस तरह साक्षात नागराज के दर्शन व पूजन कर भक्त अपने को धन्य करते हैं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर आज बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने नागफनी मंदिर नागफनी एवं देवालयों में पहुंचकर भगवान शिव के लिंग पर विराजमान नागदेव को दूध चढ़कर तथा नारियल फल फूल बेलपत्र शहर चावल आदि अर्पित कर नाग देवता समेत भगवान शिव जी की आराधना की नाग पंचमी पर आज बहुत सी महिलाएं व्रत रखी हैं भक्तों ने नाग देवता की पूजा कर भगवान शिव जी उस परिवार की सुख सम सलामती की कामना की गई।

रसोईयों के हड़ताल को समर्थन करने पहुंची कॉग्रेस

स्कुल रसोईया संघ की मांगे जायज हैं सरकार मांगों को पूरा करें - बुधराम नेताम

मूक पत्रिका/ कोंडागांव - छग स्कुल मध्यान्ह भोजन रसोईया संयुक्त संघ की तीन दिवसीय हड़ताल जिला मुख्यालय कोंडागांव मे आयोजित है बरसते पानी के बिच आयोजित इस धरना प्रदर्शन को समर्थन देने कोंडागांव जिला कांग्रेस कमेटी का प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम के साथ पहुंचा। रसोईया संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अपनी पीड़ा को बताया की किस तरह से वे सरकार की वादाखिलाफ़ी से त्रस्त हैं सुबह से शाम तक ड्यूटी करते हैं और उसके एवज मे मनमुताबित पेमेंट नहीं मिलता सत्ता मे आने से पहले भाजपा ने जो रसोईयों के लिए घोषणा किया था मोदी की गारंटी मे हमारे मांग को भी शामिल किया गया था उसे पूरा करें,अंशकालिक से हटाकर पूर्णकलिक करते हुए कलेक्टर दर से मानदेय दिया जाये, बाहर निकालना बंद करें की मांगों को लेकर यह हड़ताल जारी है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम ने कहा कॉग्रेस पार्टी आपकी सभी मांगों को जायज मानते हुए पूरा समर्थन करती है आपकी मांगों को लेकर सरकार को विचार करनी चाहिए और तत्काल पुरी करनी चाहिए भाजपा के घोषणा पत्र मे मोदी की गारंटी मे रसोईयों का उल्लेख रहा है अपने घोषणा पत्र को अमल करते हुए मोदी की गारंटी को पूरा करते मांगों को पूरा करनी चाहिए।कांग्रेस पार्टी सत्ता मे रहे या विपक्ष मे सदैव रसोईयों का मान बढ़ाया है समय समय पर मिलने वाली राशि मे भी बढ़ोतरी कांग्रेस सरकार मे हुआ है पहले 1995 से लेकर 2000 तक और 2018 से लेकर 2023 तक हमारी सरकार ने 1800 रुपए रसोईयों को देने का काम किया है।भाजपा ने रमन सिँह सरकार के 15 सालों से लेकर साय सरकार के इन दो सालों मे केवल 200 रुपए बढ़ाया है यह अंतर है कांग्रेस और भाजपा मे।भाजपा की कथनी और करनी मे अंतर स्पष्ट है किसी भी तरह से सत्ता हासिल करना ही भाजपा का एकमात्र उद्देश्य है। कांग्रेस पार्टी रसोईया संघ द्वारा जारी प्रदर्शन मे सदैव साथ हैं आपकी हर लड़ाई को हमारा पूरा समर्थन है। समर्थन करने पहुंचे कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल मे कांग्रेस जिलाध्यक्ष बुधराम नेताम, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री रितेश पटेल, शहर अध्यक्ष तरुण गोलछा, कार्यकारी शहर अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन,प्रीतम पटेल,सनी चोपड़ा,रितेश गोयल मौजूद रहे।

स्लरी पाइप लाइन के गड्ढे में डूबा मासूम

एनएमडीसी अफसरों की लापरवाही से हुआ हादसा

01 वर्ष से गड्ढा को पाटा नही गया, कई मवेशी भी गड्ढे कीआगोश मे समा चुके है

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

गीदम थाना क्षेत्र के हाऊरनार में एनएमडीसी की स्लरी पाइप लाइन बिछाने खोदे गए गड्ढे में डूबने से 10 वर्षीय मासूम छात्र की मौत हो गई। बचेली से नगरनार तक बिछाई जा रही स्लरी पाइप लाइन बिछाने के लिए एनएमडीसी ने करीब 10 मीटर गहरा गड्ढा खुदवाया हुआ है, लेकिन पाइप अब तक नहीं बिछाई है, जिससे खुले हुए गड्ढे में करीब 8 मीटर गहराई तक बरसात का पानी भरा हुआ है। सोमवार की शाम स्कूल में छुट्टी होने के बाद मृतक टिकेश्वर पिता गौतम सिंह उम्र 10 वर्ष पास के खेत की तरफ गया था। इसी दौरान स्लरी पाइप लाइन के करीब 10 मीटर गहरे गड्ढे में भरे पानी में गिरकर डूबने लगा। उसके साथ एक अन्य बच्ची भी डूबने लगी। इसी दौरान राह चलते लोगों ने डूब रही बच्ची को किसी तरह बचा लिया। लेकिन टिकेश्वर को नहीं बचा सके। मृतक कक्षा 4 थी का छात्र था। इस हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों ने आरोप लगाया कि एनएमडीसी पाइप लाइन बिछाने वालों की लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ। पहले भी यहां गाय-भैंसों के गिरकर डूबने के हादसे हो चुके थे। इसके बाद भी कोई सुरक्षा उपाय नहीं किए गए।

संपूर्णता अभियान के तहत सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

टिकरापारा जामगांव के प्रधान अध्यापक विवेक श्रीवास्तव कोंडागांव कलेक्टर के हाथों हुए सम्मानित

मूक पत्रिका/ कोंडागांव - संपूर्णता अभियान के तहत बीते मंगलवार को कोंडागांव के सामुदायिक भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत की अध्यक्ष रीता शोरी सहित नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी और स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। सम्मान समारोह में आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के इंडीकेटर के शत प्रतिशत सैचुरेशन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 66 कर्मचारी को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना सहित जिला पंचायत अध्यक्ष रीता शोरी और उपस्थित अतिथियों ने प्रमाण पत्र देकर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों का सम्मान किया ।

जिला के पेंशनरों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मूक पत्रिका/दंतेवाड़ा - कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश में जिले के पेंशन प्राप्त करने वाले सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारियों के स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देते हुए बीते मंगलवार को जिला अस्पताल परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जिले के विभिन्न विभागों से जुड़े पेंशनभोगियों ने भाग लिया। स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में जनरल चेकअप, ब्लड प्रेशर, शुगर जांच, नेत्र परीक्षण, हड्डी रोग, हृदय रोग एवं अन्य विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई गई। साथ ही आवश्यकता अनुसार दवाइयों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

शिविर का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय रामटेके तथा जिला पेंशनर्स संघ अध्यक्ष पी एन उड़कूड़े द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है और भविष्य में भी इस प्रकार के शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अभय तोमर, एमडी मेडिसिन डॉ. संजय बघेल मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. देश दीपक, आरएमओ डॉ. प्रियंका सक्सेना, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रतीक सोनी, जिला मीडिया अधिकारी बी एस नेताम, जिला अस्पताल सलाहकार शिला पूरन, डॉक्टरों की विशेष टीम, पैरामेडिकल स्टाफ एवं एनएचएम के अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर पेंशनरों ने इस पहल की सराहना करते हुए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री विद्यालय जावंगा में जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं हुआ आयोजन

दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा एवं नारायणपुर जिलों के 13 डी.ए.वी. मुख्यमंत्री विद्यालयों के लगभग 550 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

डी.ए.वी. मुख्यमंत्री विद्यालयों के जोन 1 दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर जिलों के दो दिवसीय जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जावंगा में आयोजित किया गया। प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ डीएवी क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. डी. कामेश्वर राव सहित जिसमें अन्य डी.ए.वी. विद्यालयों के प्राचार्य, पीटीआई तथा खेल प्रभारियों की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान क्षेत्रीय अधिकारी तथा अन्य पीटीआई ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन तथा निष्पक्ष भाव के साथ खेलने का आग्रह किया।

इस तरह प्रतियोगिता के प्रथम दिन एथलेटिक्स खेलों में 100 मीटर दौड़, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, 800 मीटर तथा 1500 मीटर दौड़, 4इ100 मीटर रिले रेस, 4इ800 मीटर रिले रेस, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेक आदि प्रतियोगिता हुई, जिसमें 13 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने पूर्ण जोश एवं उत्साह के साथ अपने अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दूसरे दिन सामूहिक खेलों में फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन, शतरंज आदि ग्रुप खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुआ। कार्यक्रम के समापन के दौरान सभी विजेताओं के नाम घोषित किए गए। इस प्रतियोगिता में चार जिलों बीजापुर, नारायणपुर सुकमा, दंतेवाड़ा के 13 डी.ए.वी. मुख्यमंत्री विद्यालयों के लगभग 550 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

मवेशी मालिकों की लापरवाही राहगीरों के लिए बनी जान जोखिम की समस्या

नवीन तहसील बेलरगांव में कई वर्षों से मवेशी मुख्य सड़क मार्ग एवं बस स्टैंड को कर लिया है कब्जा आदर्श ग्राम बेलरगांव की यह अव्यवस्था कई दुर्घटनाओं को दिया है अंजाम, राहगीरों को आई है गंभीर चोटें

मूक पत्रिका/धमतरी/नगरी - मवेशियों का कब्जा मुख्य सड़क मार्ग पर अभी से ही नहीं अपितु कई वर्षों से है, सभी पदाधिकारीगण अपने अपने स्तर में कोशिश कर रहे हैं किन्तु इस अव्यवस्था को सुधारने में सबके हिस्से नाकामी ही हांथ आई ।

इस अव्यवस्था को लेकर जब हमारे मूक पत्रिका समाचार पत्र के संवाददाता लोमेश कोर्राम ने क्षेत्रवासियों तथा जनप्रतिनिधियों से चर्चा की तो उन्होंने क्या कुछ कहा.....

ग्रामीणजनों ने मवेशियों की अव्यवस्था के चलते प्रतिदिन हमे एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। यह समस्या गुरुवार बेलरगांव के बाजार के दिन अत्यधिक बढ़ जाती है। मवेशी बाजार अन्दर घुस जाते हैं , व्यापारीयो का भी नुकसान तो होता है ही साथ में जब मवेशी को बेदर्दी से मर पड़ती है तो हमारा दिल भी पिघल जाता है। तब गुस्सा सीधा मवेशी मलिक के ऊपर जाता है ।

रीता नेताम सरपंच ग्राम पंचायत बेलरगांव यह समस्या मेरे ही कार्यकाल में नहीं अपितु मेरे कार्यकाल से पूर्व से चली आ रही है। हमने पंचायत स्तर पर बहुत कोशिश किया है । इस अव्यवस्था को सुधारने की। कोटवार के माध्यम से गांव में मुनियादी कराया है । एक बार नहीं कई बार, किन्तु मवेशी मालिकों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। फिर हमने कार्यवाही भी करने की कोशिश की थी पर उसमें भी गांव वाले ही आपत्ति जता दिए। जिसके कारण कार्यवाही रोकना पड़ा। और हमारी कोशिश अभी रुकी नहीं है जारी है। बहुत जल्द हम इस समस्या का समाधान करेंगे।

अरविंद यादव छात्र संगठन अध्यक्ष(सिहावा विधान सभा)

मैने अपने स्तर पे बहुत कोशिश किया इस अव्यवस्था को सुधारने की। आदर्श ग्राम बेलरगांव की शान की बात है इसलिए अपने ही ग्राम स्तर पे कोशिश किया था। पर मेरा कोई साथ नहीं दिया। मैने सोमवार को सी ओ सर को फोन लगाया और इस अव्यवस्था के विषय में चर्चा किया उन्होंने कहा ये सब एसडीएम मेडम के अंतर्गत आता है आप उनसे बात कर लो। मैने एस डी एम मेडम प्रधान को कॉल किया उन्होंने कहा कॉल बैक करके समस्या का समाधान बताया जाएगा आपको पर उनका कॉल अभी तक नहीं आया। सरपंच महोदया रीता नेताम को कॉल किया तो उनके द्वारा भी मुझे कोई संतोष जनक जवाब नहीं दिया गया । अंततः मैने यह जानकारी मीडिया में दे दिया।

एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत अब तक 1,217 पौधों का वितरण

मूक पत्रिका/दंतेवाड़ा - कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार जिले में पर्यावरण संरक्षण और मातृभूमि के प्रति सम्मान प्रकट करने की दिशा में ÷एक पेड़ माँ के नाम 2.0÷ अभियान संचालित किया जा रहा है। यह पहल पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ नागरिकों को भावनात्मक रूप से हरियाली से जोड़ने का प्रयास है। ज्ञातव्य है कि अभियान की शुरुआत 23 जुलाई 2025 से की गई है और यह 15 अगस्त 2025 तक जारी रहेगा। उद्यानिकी विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मीना मांडवी के अनुसार, अब तक 1,217 पौधों का निःशुल्क वितरण किया जा चुका है। इस अभियान के अंतर्गत नींबू, कटहल, मुनगा, आम और पपीता जैसे फलदार पौधों का वितरण किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाने और उसका संरक्षण करने हेतु प्रेरित करना है। इसके लिए कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर स्टॉल लगाकर पौधों का वितरण किया जा रहा है, जिससे आमजन को आसानी से पौधे प्राप्त हो सकें।

एमडीएम रसोइया निभा रही शिक्षिका का दायित्व, जुलाई से बंद किया शिक्षकों ने स्कूल आना

26 छात्र और उनके पालक अड़े : गांव में ही रहे उनका स्कूल

बीजापुर/मूक पत्रिका

शिक्षा विभाग का एक ऐसा तुगलकी फैसला, जिसने शिक्षा के अधिकार पर ही कुल्हाड़ी चला दी है। 21वीं सदी के इस भारत में जहां डिजिटल इंडिया, राइट टू एजुकेशन और सर्व शिक्षा और समग्र शिक्षा अभियान के बीच जांगला गांव से करीब 6 किमी दूर ककाड़ीपारा के 26 आदिवासी बच्चे स्कूल भवन में शिक्षा के अधिकारों की भीख मांग रहे हैं।

भैरमगढ़ ब्लॉक के जांगला संकुल अन्तर्गत ककाड़ीपारा की जहां शिक्षा विभाग ने ईचेवाड़ा के 15 बच्चों की सुविधा के लिए 26 बच्चों की उम्मीदें रौंद दीं। स्कूल

का भवन है, बच्चे भी हैं लेकिन नहीं है तो पढ़ने वाले शिक्षक।

दरअसल 2006-07 में सलवा जुडूम के दौरान पोटेनार पंचायत के प्राथमिक शाला ईचेवाड़ा स्कूल को अस्थाई रूप से ककाड़ीपारा जांगला शिफ्ट किया गया था। अब पोटेनार सरपंच की मांग पर शिक्षा विभाग ने 30 जून को स्कूल को दोबारा ईचेवाड़ा शिफ्ट कर दिया।

शिक्षक नहीं तो रसोईया बन गई शिक्षिका- 3 जुलाई के बाद से कोई शिक्षक स्कूल नहीं आया। शिक्षक की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नही होने पर ग्रामीणों और छात्रों की मांग पर मध्यान्ह भोजन की रसोईया पार्वती कोवासी बच्चों को पढ़ा रही है। वह कक्षा 7 वीं तक पढ़ी है और ग्रामीणों के अन्नदान से मध्यान्ह भोजन व्यवस्था सुचारू रूप संचालित हो रही है।

राज कुमार कठैते जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा मामला कलेक्टर के संज्ञान में है और जांच की जा रही है।

गौरतलब है की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2018 में जांगला से आयुष्मान भारत की शुरुवात करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में हवाई सेवा शुरू करने का वादा कर कहा था कि आने वाले दिनों में विकास का सूरज पूर्व दिशा से नहीं दक्षिण (बस्तर) से निकलेगा, इसी बात के संकेत हैं।

ककाड़ी पारा पहुंचे बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि 26 छात्रों के साथ संचालित स्कूल को बंद कर मुख्यमार्ग से 5 किमी दूर स्थानांतरित कर दिया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक से स्कूल बंद न करने और पूर्ववत संचालन की मांग की है।

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि क्या मोदी जी के मन की बात में इन गरीब आदिवासी बच्चों के शिक्षा के अधिकारों की बात शामिल होगी। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सरकार स्कूल का पुनः संचालन नहीं करती ग्रामीण अपने खर्चे पर स्कूल का संचालन करेंगे। ग्रामीणों से मिलने पहुंचे विधायक विक्रम मंडावी ने एक महीने के मध्यान्ह भोजन की रसोई सामग्री सहित बच्चों के लिए नोटबुक और पेन सहित पाठ्य सामग्री प्रदान की।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का मध्यप्रदेश दौरा : आस्था, संस्कृति और सेवा का संगम

रानी अहिल्याबाई होलकर राजबाड़ा और अहिल्या महल का किया भ्रमण

ओंकारेश्वर, महेश्वर और महाकाल के दर्शन कर छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि और प्रगति की कामना की

दृष्टिबाधित बच्चों के स्किल कार्यक्रम में शामिल होकर उनके आत्मविश्वास, हुनर और जिजीविषा की सराहना की

सुरजपुर/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मध्यप्रदेश के दो दिवसीय प्रवास में रहीं। प्रवास के प्रथम दिन श्रीमती राजवाड़े ने खंडवा जिले में नर्मदा तट पर स्थित देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री ओंकारेश्वर महादेव के मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की जनता के कल्याण, सुख-समृद्धि और सामाजिक सौहार्द की कामना करते हुए नर्मदा पूजन भी किया। इसके पश्चात वे प्रसिद्ध महेश्वर मंदिर (जिला-खरगौन) पहुँचीं, जो देवी अहिल्याबाई होल्कर की धार्मिक आस्था और वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। यहां उन्होंने महेश्वर घाट और मंदिर परिसर का भी दर्शन किया। प्रवास के दूसरे दिन मंत्री श्रीमती राजवाड़े उज्जैन पहुँचीं। श्रीमती राजवाड़े महाकालेश्वर मंदिर में प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने शिव आराधना कर छत्तीसगढ़ की जनता के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उज्जैन में कालभैरव मंदिर के दर्शन कर उन्होंने छत्तीसगढ़ की सुरक्षा और समृद्धि की प्रार्थना की। धार्मिक स्थलों के दर्शन के बाद मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इंदौर के ऐतिहासिक देवी अहिल्याबाई होल्कर महल (राजबाड़ा) का भ्रमण किया। यहां उन्होंने मराठा कालीन स्थापत्य कला, अहिल्याबाई की जीवन गाथा एवं प्रशासनिक कुशलता से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई जैसी महिलाओं से प्रेरणा लेकर आज की महिलाएं भी समाज में नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने इस धरोहर को महिलाओं की सामाजिक-राजनीतिक सशक्तिकरण की ऐतिहासिक मिसाल बताया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इंदौर प्रवास के दौरान दृष्टिबाधित (दिव्यांग) बच्चों के लिए आयोजित रोजगार मूलक स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के आत्मविश्वास, हुनर और जिजीविषा की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। मंत्री ने प्रशिक्षकों और सामाजिक संस्थाओं से आग्रह किया कि वे ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक व्यापक और समावेशी बनाएँ, जिससे दिव्यांग बच्चों को सम्मानजनक रोजगार के अवसर मिल सकें। अपने दौरे के समापन पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा, ÷मध्यप्रदेश की भूमि न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण है, बल्कि यहाँ की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक चेतना भी अत्यंत प्रेरणादायक है। इस प्रवास ने मुझे नई ऊर्जा दी है।

विश्व बाघ दिवस पर आईटीआर ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

बीजापुर/मूक पत्रिका

विश्व बाघ दिवस के अवसर पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व, बीजापुर द्वारा बाघ संरक्षण की दिशा में जागरूकता बढ़ाने के लिए मोदकपाल स्थित वन परिक्षेत्र मद्देड (बफर) परिसर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के बीच सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, चित्रकला प्रतियोगिता, प्लास्टिक मुक्त अभियान, वृक्षारोपण और ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ जैसे सराहनीय आयोजन किए गए। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप एवं वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के निर्देशानुसार यह आयोजन संपन्न हुआ। मुख्य अतिथियों में जानकी कोरसा अध्यक्ष जिला पंचायत, मिथियश कुजूर, जिला पंचायत सदस्य और उप निदेशक इंद्रावती टाइगर रिजर्व संदीप बल्गा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को बाघों की घटती संख्या, उनके आवास की सुरक्षा तथा जैव विविधता में उनकी भूमिका की जानकारी दी। इस अवसर पर टाइगर रेस्क्यू टीम, पेट्रोलिंग गार्ड और प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र, मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। साथ ही छात्रों को वन्यजीव संरक्षण की महत्ता समझाने हेतु बाघ आधारित शैक्षणिक चलचित्र का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समुदाय और युवाओं में वन्यजीवों, विशेषकर बाघों के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण का भाव जागृत करना रहा।

डॉ कलाम यूथ स्टार्टअप अवॉर्ड 2.0 कार्यक्रम के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश बैठक संपन्न

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया डॉ. कलाम को नमन

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर आयोजित की श्रद्धांजलि समारोह

रायपुर /मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बीते मंगलवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' के नाम से प्रसिद्ध भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर बीते मंगलवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ. ए.पी.जे. कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा उनके जीवन, कार्य और भारत के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि डॉ. कलाम न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि एक प्रेरक नेता, शिक्षक और युवाओं के मार्गदर्शक भी थे। उनका जीवन हर भारतवासी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उपस्थित लोगों ने डॉ. कलाम के सपनों का भारत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री एवं नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव संजय श्रीवास्तव, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, प्रदेश प्रभारी सद्दाम खान, प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद, आरिफ खान, प्रदेश महामंत्री शाहिद खान, मख्मूर इकबाल, नजमा अजीम, मिर्जा एजाज बेग, तौकीर राजा, अकरम कुरैशी, सैफुद्दीन, यूनुस कुरैशी, सचिन मसीह एवं समस्त प्रदेश पदाधिकारी एवं समस्त जिला अध्यक्ष कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पंडित रविशंकर त्रिपाठी महाविद्यालय में प्राचार्य नियुक्ति पर बवाल

तीसरे दिन भी छात्रों का प्रदर्शन जारी, चक्का जाम की चेतावनी से प्रशासन अलर्ट

सूरजपुर/भैयाथान/मूक पत्रिका

पंडित रविशंकर त्रिपाठी शासकीय महाविद्यालय, भैयाथान में प्राचार्य पद पर सीबी मिश्रा की पुनः नियुक्ति को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। तीसरे दिन भी महाविद्यालय परिसर में छात्र धरने पर डटे रहे और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। आक्रोशित छात्रों ने दो टूक कहा है कि अगर उनकी मांगें जल्द नहीं मानी गई, तो वे चक्का जाम जैसे उग्र कदम उठाने को बाध्य होंगे।

पूर्व प्राचार्य की वापसी या योग्य विकल्प की मांग–छात्रों की मुख्य मांग है कि पूर्व प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते को यथावत पद पर बहाल किया जाए या फिर किसी योग्य और अनुभवी प्राचार्य की नियुक्ति की जाए। उनका आरोप है कि सीबी मिश्रा के पहले कार्यकाल में महाविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई थी, और छात्रों का परिणाम निराशाजनक रहा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने दावा किया कि उस समय 71 में से 70 छात्र फेल हो गए थे, जिससे कॉलेज की प्रतिष्ठा को गहरा आघात पहुंचा।

शिक्षा और गरिमा की लड़ाई: छात्रों का ऐलान–धरने में शामिल छात्र इसे सिर्फ एक नियुक्ति का मुद्दा नहीं, बल्कि शैक्षणिक भविष्य और संस्थान की गरिमा की लड़ाई बता रहे हैं। छात्र नेताओं ने दोहराया कि वे किसी भी कीमत पर सीबी मिश्रा को स्वीकार नहीं करेंगे। उनका कहना है कि सातपुते के नेतृत्व में महाविद्यालय में सकारात्मक बदलाव हुए, और छात्रों की पढ़ाई बेहतर दिशा में बढ़ी। ऐसे में एक असफल प्राचार्य की दोबारा वापसी, छात्रों और संस्थान दोनों के लिए घातक हो सकती है।

जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप की मांग, ज्ञापन सौंपा गया–छात्रों ने सांसद प्रतिनिधि अमन प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि वे मामले में हस्तक्षेप कर समाधान निकालें। अमन सिंह ने छात्रों को भरोसा दिलाया है कि वे इस विषय पर सांसद से चर्चा करेंगे और छात्रों के हितों की रक्षा करेंगे।

शासन-प्रशासन की प्रतिक्रिया सुस्त, मीडिया से मिली जानकारी–उच्च शिक्षा विभाग के सहायक संचालक गोवर्धन यदु का कहना है कि उन्हें अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मीडिया से जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि यदि विधिवत आवेदन प्राप्त होता है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तनावपूर्ण माहौल, प्रशासन के लिए अग्निपरीक्षा–भैयाथान क्षेत्र का यह विवाद अब शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन दोनों के लिए चुनौती बन चुका है। छात्रों के तेवर तीखे हैं और चेतावनी स्पष्ट या तो निर्णय बदला जाए या आंदोलन तेज़ होगा। इस स्थिति में प्रशासन पर दबाव है कि वह जल्द हस्तक्षेप कर कोई संतुलित समाधान निकाले, ताकि शैक्षणिक गतिविधियां सुचारू रूप से बहाल हो सकें और कॉलेज की साख बनी रहे।

प्रोजेक्ट दक्षः डिजिटल सशक्तिकरण की ओर एक प्रभावी कदम, प्राचार्य हो रहे तकनीकी रूप से मजबूत

रायपुर /मूक पत्रिका

प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्ट÷ अब एक नई दिशा और पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में इस परियोजना के माध्यम से जिले के शासकीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। प्रोजेक्ट दक्ष के अंतर्गत आज शिक्षा विभाग के हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी के प्राचार्यों को प्रशिक्षण दिया गया । इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट, ईमेल और रू‍ ह्द्धद्धद्धष्द्ध जैसे उपयोगी टूल्स की जानकारी दी जा रही है। मास्टर ट्रेनर्स की मदद से यह प्रशिक्षण चरणबद्ध तरीके से कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ सेंटर मल्टीलेवल पार्किंग में संचालित किया जा रहा है। प्रतिदिन दो पाली में 25-25 बैच में प्रशिक्षण दिया रहा है। जिसमें ऑन-हैंड प्रैक्टिकल सेशन शामिल हैं। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया जाएगा और सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया जाएगा। प्राचार्यों ने बताया की प्रोजेक्ट दक्ष हम सभी शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक अच्छी पहल है इसके लिए हम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का आभार व्यक्त करते है की उन्होंने प्रोजेक्ट के माध्यम से हम सबको प्रशिक्षित कर रहे है 7

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने सरपंच संघ का बैठक लेकर विकास कार्यों की समीक्षा की

बस्तर/मूक पत्रिका

विधायक लखेश्वर बघेल एवं अन्य पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर की इस अवसर पर सभी ने उनके आदर्शों एवं विचारों को याद करते हुए समाज में समरसता, एकता एवं विकास के संकल्प को दोहराया। *बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने आज अपने निवास स्थल पर बस्तर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों के साथ बैठक कर पंचायतों में चल रहे विकास और निर्माण कार्यों का जायजा लिया। बैठक के दौरान प्रत्येक पंचायत की आर्थिक स्थिति पर भी चर्चा की गई और सरपंचों से क्षेत्र में आ रही प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली गई। विधायक बघेल ने सरपंचों को आश्वस्त किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी और जनता की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। बैठक का उद्देश्य पंचायत स्तर पर विकास की गति को और तेज करना और क्षेत्र की जमीनी जरूरतों को बेहतर ढंग से समझना रहा। इस दौरान मौजूद रहे प्रेमशंकर शुक्ला, बालेश दुबे, शिवराम बिसाई, उत्तम नाईक, गणेश बघेल, जगमोहन बघेल, मानसिंह कवासी, जानकीराम भारती, हेमराज बघेल, गोपाल कश्यप, दुर्जन कश्यप, बैद्यनाथ मौर्य, बद्रीनाथ जोशी, पूरन ठाकुर, नीलम कश्यप, जयंती नेताम, धरम गोयल, कार्तिक, लखेश्वर कश्यप, धनुर्जय कश्यप, बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्तागण सरपंचगण समस्त कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में उसूर ब्लॉक को मिला कांस्य पदक

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले में मंगलवार को इंद्रावती सभाकक्ष में ÷संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह÷ का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा शुरू किए गए संपूर्णता अभियान के तहत किया गया, जिसमें आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों को समाज के विभिन्न क्षेत्रों में 100 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया गया था। इस अभियान में बीजापुर जिला को आकांक्षी जिला और उसूर को आकांक्षी ब्लॉक के रूप में शामिल किया गया था। देशभर में 112 आकांक्षी जिलों और 500 आकांक्षी ब्लॉकों में संचालित इस अभियान का उद्देश्य था ङ्क स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, महिला-बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा जैसे 12 प्रमुख सामाजिक संकेतकों में शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करना। *बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक ने इन संकेतकों में से चार क्षेत्रों में 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर कांस्य पदक अर्जित किया। ये चार संकेतक थे - गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण, पूरक पोषण की नियमित उपलब्धता, माध्यमिक विद्यालयों का विद्युतीकरण, शैक्षणिक सत्र के एक माह के भीतर पाठ्यपुस्तकों का वितरण। कार्यक्रम में सम्मान समारोह की शुरुआत अभियान की प्रगति की प्रस्तुति के साथ हुई। उपलब्धियों को पीपीटी माध्यम से प्रदर्शित किया गया।वरिष्ठ आईएएस डॉ. रोहित कुमार (मिशन निदेशक ङ्क आकांक्षी जिलों व ब्लॉकों) का संदेश एक लघु फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जानकी कोरसा, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता सोम पुजारी और जिला पंचायत सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला-बाल विकास और कृषि क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।इस दौरान जनपद पंचायत उसूर के सीईओ को भी कांस्य पदक प्रदान किया गया।कलेक्टर संबित मिश्रा ने बीजापुर जिले एवं उसूर ब्लॉक के संवेदनशील परिस्थितियां एवं कड़ी चुनौती के बाद भी संपूर्णता अभियान के संकेतकों को शतप्रतिशत संतृप्त करने के लिए जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने तथा जिले के विकास में योगदान देने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुऐ हमेशा अपना शतप्रतिशत देने लगन एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्य पथ में निरंतर प्रयत्नशील रहने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल, संपूर्णता अभियान के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर उत्तम सिंह पंचारी सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारीगण, समस्त अनुभाग के एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं सीईओ जनपद पंचायत उपस्थित थे।

बेलरगांव बाजार स्थल में जुवारियों द्वारा खुलेआम जुआ खेला जा रहा है सुध लेने वाला कोई नहीं

मूक पत्रिका/ धमतरी/ नगरी – बेलरगांव पिछले कई महीनों से चल रहा है । इन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है। जिससे जुआरियों का मनोबल बढ़ा हुआ है । बेलरगांव बाजार स्थल में सप्ताह के 6 दिन जुआ का खेलचलता है,मात्र एक दिन इनका अवकाश रहता है और वह दिन है गुरुवार क्योंकि इस दिन बाजार लगता है । बाजार स्थल के पास में ही सुलभ शौचालय है पर लोग (विशेष कर महिलाएं) डर के वजह से जा नहीं पाते हैं। डर इस बात की रहती है बाजार स्थल में शराबियों और जुवारियों का झुण्ड रहता है। इनका झुंड प्रतिदिन दोपहर से संध्या तक बाजार स्थल में ही रहता है। यहां पर 15 वर्ष की आयु से लेकर वृद्ध तक नजर आ जाएंगे, युवा लड़के ज्यादातर यहां सिगरेट पीते हुए दिखाई पड़ते हैं। इस रास्ते से लोग आने जाने के लिए भी डरते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि बाजार हटवारा इन्हीं लोगों के लिए बनाया गया है। इन जुवारियों को शासन, प्रशासन का डर भी नहीं है और न ही पंचायत का, और डर क्यों भी हो क्योंकि इनके द्वारा अब तक कोई कार्यवाही ही नहीं किया गया है। इसलिए ये बेखौफ जुआ खेलते हैं और दारू, सिगरेट जैसे नशीले पदार्थों का सेवन खुलेआम कर नियम कायदा कानून का धज्जियां उड़ाए जा रहे हैं ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।